मूल्य 1 रु.
वर्ष: 10 - अंक : 20, मुंबई, सोमवार, 16 मार्च, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान
दैनिक
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

मुंबई हलचल

अब हर सच होगा उजागर

बढ़ा कोरोना का खतरा

टलीं रेल यात्राएं

मुंबई। नोवेल कोरोना वायरस के पॉजिटिव मामले बढ़ने के बाद देशभर में राज्य सरकारें अडवाइजरी जारी कर रही हैं। स्कूल बंद हो रहे हैं। आयोजन टाले जा रहे हैं, ऐसे में लोगों द्वारा ट्रेन यात्राएं टालने का सिलसिला भी जारी है। लंबी दूरी की ट्रेनों के अलावा मुंबई लोकल के टिकट बिक्री आंकड़ों से भी कोरोना वायरस के प्रभाव को समझा जा सकता है। पश्चिम रेलवे पर 12 मार्च को पिछले साल के मुकाबले 48.09 प्रतिशत ज्यादा टिकटें रद्द हुई हैं। मध्य रेलवे पर 12 मार्च को 65,943 टिकटें बुक हुई थीं, जबकि 22,441 टिकटें रद्द हो गईं। मध्य रेलवे पर एक ही दिन में 34.03 प्रतिशत टिकटें रद्द हुईं।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

ऐप बेस्ड टैक्सी पर भी असर

ट्रेनों के अलावा टैक्सी और बसों पर कोरोना वायरस का असर देखा जा रहा है। ऐप बेस्ड टैक्सी में अगर ओला और उबर की बात करें, तो 30 प्रतिशत तक बुकिंग कम होने की बात कही जा रही है। दोनों कंपनियों ने 8 से 10 हजार ड्राइवर पार्टनर के तौर पर काम करते हैं। मराठी कामगार सेना के राज्य अध्यक्ष महेश जाधव के अनुसार, जब से पुणे में टैक्सी में यात्रा कर रहे यात्रियों को संक्रमित पाया गया है, तब से ज्यादातर ड्राइवर भीड़ वाले इलाकों से बुकिंग टाल रहे हैं। इसके अलावा एयरपोर्ट से पैसेंजरों की संख्या कम होने से बिजनेस पर असर पड़ा है।

मुंबई पुलिस ने समूह यात्रा पर रोक लगाने के लिए धारा 144 लागू की

कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के मद्देनजर मुंबई पुलिस ने विदेशी या घरेलू पर्यटन स्थलों पर समूह यात्रा कराने से टूर ऑपरेटरों को रोकने के लिए सीआरपीसी की धारा 144 लागू कर दी गई है। एक अधिकारी ने बताया कि अगर कोई टूर ऑपरेटर आदेश की अवहेलना करते हुए पाया गया तो भारतीय दंड संहिता की धारा 188 (आदेश की अवहेलना करना) के तहत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आदेश में कहा कि लोगों की जिंदगी, स्वास्थ्य या सुरक्षा को खतरे में डालने से रोकने के लिए, पुलिस आयुक्त के तहत आने वाले इलाकों में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत हम आदेश जारी करते हैं कि निजी टूर ऑपरेटरों द्वारा घरेलू या विदेश के लिए लोगों की समूह यात्रा आदि पर रोक होगी।

शुध्द घी में बना
केसरीया मलाई घेवर
MM MITHAIWALA
MALAD (W),TEL.: 288 99 501

सऊदी अरब से लौटे 71 साल के बुजुर्ग की महाराष्ट्र के बुलढाणा में मौत, कोरोना से संक्रमित होने का संदेह

(समाचार पृष्ठ 5 पर)

कोरोना का असर

बॉलीवुड में लॉकडाउन की घोषणा

फिल्म इंडस्ट्री के तमाम बड़े संगठनों की मीटिंग में फैसला

3 दिन में सारी यूनिट्स को पैकअप करने को कहा

फिल्म और टीवी शो की शूटिंग 31 मार्च तक बंद रहेगी

देश-विदेश में शूटिंग कर रहे यूनिट को वापस बुलाने के लिए कहा गया

मुंबई। कोरोनावायरस की वजह से इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईएमपीपीए) ने रविवार को आधिकारिक रूप से 19 से 31 मार्च तक सभी शूट्स को रोकने का फैसला किया है। फिल्म इंडस्ट्री के तमाम बड़े संगठनों की मीटिंग हुई।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

फ्लोर टेस्ट से पहले कोरोना टेस्ट

जयपुर से भोपाल लाए गए कांग्रेस के 85 विधायकों का टेस्ट हुआ, एक विधायक बोले- दो साथियों में कोरोना जैसे लक्षण

भोपाल। 5 दिन से जयपुर में ठहरे 85 विधायकों को रविवार को भोपाल लाया गया। यहां उन्हें होटल मैरियट में ले जाया गया, जहां उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि किसी भी विधायक में कोरोना के लक्षण नहीं पाए गए हैं।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

मंत्रालय के नजदीक वह गेस्ट हाउस किसका?

मुंबई। पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक आशीष शेलार ने महाविकास आघाड़ी सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि राज्य के सभी शहरों का विकास एक ही पद्धति और सुनियोजित तरीके से करने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के कार्यकाल में मुंबई को छोड़कर सभी शहरों के लिए एक ही विकास नियंत्रण नियमावली (यू-डीसीआर) तैयार की गई थी, इसमें जनहित पर विचार कर संबंधित मशीनरी के साथ बैठक लेकर मसौदा तैयार किया गया था, इसे विभिन्न स्तरों पर मंजूरी दी गई थी, इसका नोटिफिकेशन निकलने के पूर्व दुर्भाग्य से देवेंद्र फड़नवीस सरकार बदल गई। अब सत्ता में आई महाविकास आघाड़ी सरकार ने 100 दिनों में बिल्डरों के फायदे में कई बदलाव किए। इससे राज्य के शहर कंगाल हो जाएंगे और बिल्डर मालामाल होंगे, इस तरह का भयंकर पाप यह महाविकास आघाड़ी सरकार कर रही है। यह तत्काल रुकना चाहिए। बाहर चर्चा है कि 100 दिनों में 100 करोड़, इसका सही में अर्थ या है? मंत्रालय के नजदीक एक गेस्ट हाउस में बैठकर यूडीसीआर बदलने का काम हो रहा है। यह गेस्ट हाउस किसका है? बजट में नगर विकास विभाग की मांगों पर बोलते हुए शेलार ने कहा कि मंत्रालय के नजदीक स्थित एक बिल्डर के गेस्ट हाउस में बैठकर यू-डीसीआर के निर्णय हो रहे हैं। ये सभी निर्णय बिल्डरों के फायदे के हैं और मविआ सरकार के यू-डीसीआर में बदलाव करने से भविष्य में राज्य में विकसित होने वाले शहरों पर गंभीर असर होगा। यू- डीसीआर में आघाड़ी सरकार के इस तरह के बदलाव करने से शहरों की जमीन पर मनोरंजन के मैदान इस सरकार ने खा लिए हैं। एफएसआई की खैरात पिछले दरवाजे से दी जा रही है। अग्नि सुरक्षा के नियमों का पालन नहीं हो रहा है। निवासी इलाकों की शांति को खतरा पैदा हो गया है। ठाणे, नाशिक, नागपुर, पुणे, पिंपरी-चिंचवड़ जैसे शहरों की बलि क्यों ली जा रही है? यह सवाल उन्होंने किया। मंत्रालय के नजदीक बिल्डर का गेस्ट हाउस में इस बारे में निर्णय लेने के लिए सचिव व अधिकारियों को बुलाया जाता है, यह गेस्ट हाउस किसका है? एबी या एबीसी का? इसका मैं नाम नहीं लेना चाहता। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के वक्त यूडीसीआर में मनोरंजन मैदान की जगह के लिए न्यूनतम 10 फीसदी जगह रखना अनिवार्य था। महाविकास आघाड़ी सरकार में इसमें बदलाव कर टेरेस पर मनोरंजन मैदान रखने की सहूलियत दी है। इससे ठाणे, नाशिक, पुणे, औरंगाबाद जैसे नवविकसित शहरों में बच्चों के खेलने की जगह बिल्डरों के फायदे में देने का पाप सरकार ने किया है। दुर्भाग्य से इस वजह से नए विकसित होने वाले शहरों में सीमेंट-क्रांक्रीट का जंगल उग जाएगा। आरे में खाली जगह के लिए बोलने वाले और पर्यावरण प्रेम दिखाने वाली सरकार ने यह पाप किसके लिए किया है?

क्षेत्र के 50 हजार युवाओं को रोजगार देने का प्रण : गडकरी

मुंबई। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के बारे में पूछे सवाल के जवाब में कहा कि उन्होंने अपने क्षेत्र में 50 हजार युवाओं को रोजगार देने का काम हाथ में लिया है। उन्होंने दावा किया कि अभी तक 33 हजार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। केंद्रीय मंत्री ने रोजगार को लेकर अपनाए गए कदम की जानकारी देते हुए कहा कि उन्होंने विदर्भ क्षेत्र के हर विधायक को कहा है कि वे अपने क्षेत्र में पांच हजार रोजगार देने की कोशिश करें। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम मंत्रालय की ग्रामीण क्षेत्र के लिए इतनी अच्छी-अच्छी योजनाएं है। अगर हर सांसद यह तय करता है तो वह क्षेत्र में 10 से 15 हजार लोगों को रोजगार दे सकते हैं। इसके लिए वित्तीय सहित हर प्रकार की मदद करने के लिए विभाग तैयार है, लेकिन सबसे बड़ी बात यह है।

राहत: कोरोना पर 3 की रिपोर्ट निगेटिव, पर नहीं टला है खतरा

मुंबई। मुंबई में जिन 2 लोगों में कोरोना वायरस की पुष्टि हुई है, उनके क्लोज कॉन्टैक्ट में आने वाले 3 लोगों की टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आई है। हालांकि गुरुवार को पुणे में एक और कोरोना वायरस का पुष्ट मामला सामने आया। इसके साथ ही राज्य में कोरोना की चपेट में आने वालों की संख्या 12 हो गई है। बीएमसी स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, बुधवार को मुंबई के एक वरिष्ठ दंपती में कोरोना वायरस की पुष्टि हुई थी, जो हाल में 40 लोगों के साथ दुबई से लौटे थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने इनके एकदम नजदीक आने वाले तीन लोगों की पहचान की थी। इनमें दंपती की नौकरानी, ड्राइवर और एक पड़ोसी शामिल था। इन तीनों को गुरुवार को कस्तूरबा अस्पताल में भर्ती कर टेस्ट किया गया। अच्छी बात यह रही कि तीनों की टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आई है।

बता दें 40 लोगों का एक ग्रुप हाल में दुबई से लौटा था, जिनमें से 6 मुंबई के लोग थे। इनमें से 2

(दंपती) में बीमारी की पुष्टि हुई थी, जबकि 4 की रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद बुधवार को ही अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया था।

देश में कोरोना वायरस के पुष्ट मामले सामने आने के बाद से लोग डरे हुए हैं। ऐसे में बीएमसी भी अपनी ओर से कोई कसर नहीं छोड़ रही है। यही कारण रहा कि मुंबई में जिन 2 लोगों में वायरस की पुष्टि हुई, उनके संपर्क में आने वाले 106 परिवारों तक बीएमसी की टीम पहुंची है। बीएमसी स्वास्थ्य विभाग की कार्यकारी अधिकारी डॉ. पद्मजा केसकर ने कहा कि जिस बिल्डिंग में दंपती रहता था, उसमें रहने वाले 106 परिवारों का सर्वे किया गया है। किसी में भी बीमारी के लक्षण नहीं दिखे। सर्वे के दौरान पता चला कि जिन 2 लोगों की टेस्टिंग गुरुवार को हुई थी, उनमें से एक व्यक्ति 3 घरों में गया था, इसलिए उन घरों में रहने वाले लोगों को भी 14 दिन तक घर में रहने का निर्देश दिया गया है। बीमारी के प्रति एहतियातन मुंबई इंटरनैशनल एयरपोर्ट पर विदेश से आने वाले लोगों की थर्मल स्क्रीनिंग की जा रही है। गुरुवार तक एयरपोर्ट पर 1,96,727 लोगों की स्क्रीनिंग की गई। इनमें से 190 लोगों में बुखार, जुकाम के लक्षण दिखने पर कस्तूरबा में भर्ती किया गया। 190 में से 168 की रिपोर्ट निगेटिव, 2 पॉजिटिव, जबकि 20 की रिपोर्ट आनी बाकी है।

बीएमसी कमिश्नर ने की मॉनसून पूर्व समीक्षा बैठक

मुंबई । मॉनसून शुरू होने से तीन महीने पहले ही बीएमसी कमिश्नर प्रवीण परदेशी ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। परदेशी ने शुक्रवार को रेलवे, पुलिस, बेस्ट और मॉनसून विभाग के साथ मॉनसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा बैठक की। बैठक में भारी बारिश के दौरान रेलवे सेवा कैसे जारी रखी जाए, बेस्ट बसों का प्रबंध कैसे किया जाए, पुलिस अपनी भूमिका कैसे निभाए और मॉनसून विभाग समय से पहले जानकारी उपलब्ध कराए, इस पर लंबी चर्चा हुई। परदेशी ने कहा कि मॉनसून पूर्व की तैयारी के लिए एक विशेष वेब पेज बनाया जाएगा। इस पर शुरू किए गए काम, मौजूदा परिस्थिति और संबंधित विभाग की जानकारी मुख्य विश्लेषक अधिकारी देंगे। जरूरत के अनुसार बेस्ट बस जैसी सेवा की व्यवस्था की जाएगी। ज्यादा समय तक यातायात बंद होने पर 5 रुपये के टिकट पर बेस्ट प्रशासन लोगों को बीएमसी के शेल्टर सेंटर में पहुंचाएगा।

मॉनसून के दौरान भारी बारिश के कारण मध्य रेलवे के कई स्टेशनों के ट्रैक पर पानी जमा हो जाता है, जिससे रेल सेवा लड़खड़ा जाती है। रेल सेवा लड़खड़ाने या बंद होने की स्थिति में मुंबईकरों को तत्काल मदद मिलनी चाहिए। बीएमसी कमिश्नर ने कहा कि बरसात के समय यदि लोग ज्यादा समय तक कहीं फंसते हैं, तो उन्हें तत्काल बीएमसी के शेल्टर सेंटर में पहुंचाया जाए।

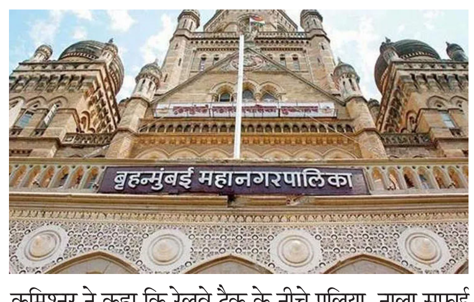

कमिश्नर ने कहा कि रेलवे ट्रैक के नीचे पुलिया, नाला सफाई और नालों के चौड़ीकरण के काम के लिए बीएमसी जल्द ही रेलवे को निधि उपलब्ध कराएगी। इन कामों का जायजा लेने के लिए ड्रोन के इस्तेमाल पर भी चर्चा हुई। परदेशी ने मॉनसून विभाग के उपमहासंचालक डॉ.कृष्णानंद होसालिकर को निर्देश दिया कि मॉनसून विभाग बीएमसी, डिजास्टर मैनेजमेंट, रेलवे को 24 घंटे पहले भारी बारिश की जानकारी उपलब्ध कराएं। अभी सिर्फ कोलाबा में एक डॉप्लर राडार काम कर रहा है, बोरीवली और अंधेरी में भी डॉप्लर राडार लगाने के लिए बीएमसी ने जगह उपलब्ध कराई है। इसीलिए यह दूसरा राडार किसी भी हालत में मॉनसून से पहले स्थापित किया जाना चाहिए।

कोरोना से लड़ने के लिए मुंबई पुलिस है तैयार

मुंबई। कोरोना के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं, ऐसे में मुंबई पुलिस ने भी कोरोना संक्रमण से बचाव करने के लिए कमर कस ली है। मुंबई पुलिस के प्रवक्ता प्रणय अशोक ने बताया कि पुलिस कर्मचारियों को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के द्वारा दिए गए जरूरी निर्देशों का पालन करने के लिए, कहा गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वे आम लोगों को भी निर्देश पालन करने की सलाह देते हैं। कई पुलिसकर्मियों को कोरोना से बचने के लिए मास्क बांटा गया है, इसके साथ ही अधिक मास्क खरीदे जाने की तैयारी की जा रही है। पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए इसके बचाव में हर संभव कोशिश कर रही है। पुलिस स्टेशनों में, ड्रंक एंड ड्राइव, नाकाबंदी जैसे मामलों में पुलिस कर्मचारियों का आमना-सामना हर रोज कई लोगों के साथ होता है।

विदेशों में निर्यात बंद पड़ा हापुस को रोना, १० हजार रुपए की पेटी ६ हजार रुपए पर आ पहुंची

ठाणे। पूरे विश्व में कोरोना वायरस की दहशत देखी जा रही है। कोरोना वायरस एक देश से दूसरे देश तक न पहुंचे इसलिए विदेशों से आयात व निर्यात पर पाबंदी लगा दी गई है। इस बंदी के चलते हापुस आम की बिक्री करनेवाले किसानों को रोना पड़ रहा है। विदेशों में निर्यात पर पाबंदी के बाद हापुस आम की पेटी १० हजार रुपए से गिरकर ६ हजार रुपए पर आ पहुंची है। आवक जहां एक ओर बढ़ गई वहीं दूसरी ओर दाम गिर गया है। बता दें कि प्रतिवर्ष महाराष्ट्र के किसानों द्वारा भारी मात्रा में हापुस आम की पैदावार कर उन्हें दुबई, कतर, कुवैत, सऊदी अरब सहित अन्य देशों में निर्यात किया जाता है। लेकिन इस वर्ष

पूरे विश्व में कोरोना वायरस के खौफ को देखते हुए विदेशी उड़ानों पर पाबंदी लगा दी गई है, जिसके चलते आयात और निर्यात अपने आप ठप्प पड़ गया है। इस पाबंदी के चलते इस वर्ष हापुस आम का निर्यात नहीं हो पाया है। निर्यात न हो पाने की वजह से हापुस के आम की सभी पेटियां पुनः हिंदुस्थान के बाजार में वापस आ रही हैं। आवक अधिक होने के चलते कुछ दिनों पहले १० हजार रुपए में बेची जानेवाली आम पेटियों की कीमत घटकर ६ हजार रुपए तक आ पहुंची है। इससे किसानों का भारी नुकसान हो रहा है। प्रति पेटी किसानों को लगभग ४ हजार रुपए का नुकसान उठाना पड़ रहा है। एपीएमसी मार्केट के फल बाजार संचालक संजय पानसरे ने बताया कि हवाई उड़ानों पर पाबंदी के बाद जलमार्ग से हापुस आम के निर्यात की कोशिश जारी है लेकिन जलमार्ग को उचित प्रतिसाद न मिल पाने की वजह से केवल १५ प्रतिशत ही आमों को जलमार्ग माध्यम से निर्यात किया जा सका है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व), मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

कोरोना वायरसः मुंबई में नहीं आया कोई नया मामला, पुणे और नागपुर में संख्या 17 पहुंची

मुंबई। कोरोना वायरस (कोविड-19) के बढ़ते मामलों के बीच मुंबई के लिए एक राहत भरी खबर आई है। अभी तक मुंबई में कोरोना वायरस का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। एहतियात के तौर पर बीएमसी की टीम ने 450 से भी ज्यादा परिवारों का सर्वे किया और किसी में भी कोरोना वायरस के लक्षण नहीं पाए गए.इन सभी स्वास्थ्य विभाग के संपर्क में रहने के लिए कहा गया है। हालांकि, पुणे और नागपुर में आए नए मामलों के कारण राज्य में कोरोना वायरस के कुल पुष्ट मामलों की संख्या 17 हो चुकी है।

बीएमसी स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार को मुंबई और ठाणे से जो दो नए मामले सामने आए थे, उनकी कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग लगभग हो चुकी है। मुंबई के मरीज को हिंदुजा हॉस्पिटल से कस्तूरबा अस्पताल में ट्रांसफर कर दिया गया है। वहीं इनके क्लोज संपर्क में आने वाले 7 लोगों को भी कस्तूरबा अस्पताल में भर्ती किया गया है। जबकि बाकी के सात कम रिस्क वाले कॉन्टैक्ट को भी अगले 14 दिन तक घर में रहने का निर्देश दिया गया है।

बीएमसी कोरोना वायरस की प्रोटोकॉल ऑफिसर डॉ.

दक्षा शाह ने बताया कि मुंबई में गुरुवार को आए पुष्ट मामले के तत्काल बाद इनकी कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग शुरू कर दी गई। इस मामले में 460 परिवारों तक पहुंचकर बीएमसी की टीम ने लोगों का सर्वे किया। इनमें से किसी में भी कोरोना के लक्षण नहीं दिखे हैं। हालांकि इन्हें अगले कुछ दिनों तक स्वास्थ्य विभाग की टीम के संपर्क में रहने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा ठाणे स्वास्थ्य विभाग को भी मरीज के संपर्क में आने वालों पर निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है।

कोरोना वायरस की किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए प्रशासन ने महानगर में आइसोलेशन बेड्स की संख्या बढ़ा दी है। इसके लिए शुक्रवार को मुलुंड स्थित फोर्टिस अस्पताल में भी 15 आइसोलेशन बेड्स की सुविधा शुरू की गई है। वहीं सेवन हिल्स हॉस्पिटल में 300 लोगों को अलग-थलग रखने की व्यवस्था भी पूरी कर ली गई है, जल्द ही यहां लोगों को जरूरत पड़ने पर रखा जाएगा।

मुंबई इंटरनैशनल एयरपोर्ट पर शुक्रवार तक 2,17,636 लोगों की थर्मल स्क्रीनिंग की गई। इस दौरान 238 लोगों में लक्षण दिखने के बाद उन्हें कस्तूरबा अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से 203 लोगों के सैंपल निगेटिव आए हैं, जबकि 4 पॉजिटिव। अन्य की रिपोर्ट आनी बाकी है। कस्तूरबा अस्पताल में बतौर संक्रमण रोग विशेषज्ञ कार्यरत डॉ. जयंती शाति ने कहा कि कोरोना वायरस के अब तक कम्युनिटि ट्रांसमिशन के कोई सबूत नहीं मिले हैं। वहीं यह एयर बॉर्न बीमारी नहीं है, जो हवा में इसके वायरस रहेंगे। संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने पर इसके वायरस नीचे गिरते हैं, न कि हवा में लंबे समय के लिए रहते हैं। इसलिए जल्द-जल्दी हाथ साबुन से धोने पर संक्रमण फैलने की संभावना बेहद कम होती है।

कोरोना वायरस से पीड़ित मरीजों की बढ़ती संख्या के बावजूद बीएमसी के स्कूलों को अभी खुला रखने का निर्णय लिया गया है। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग ने बीएमसी स्कूलों के छात्रों और शिक्षकों को विशेष सावधानी बरतने की नसीहत दी है। उप कार्यकारी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दक्षा शाह ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी स्कूलों में जाकर बच्चों और शिक्षकों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं।

इसके तहत साफ-सफाई पर विशेष ध्यान, कुछ खाने से पहले हाथ को साबुन से धोना, छींकने या खांसने से पहले मुंह पर रुमाल लगाना या रुमाल न होने की स्थिति में हाथ से मुंह ढांकना प्रमुख है।

डॉ. शाह ने कहा कि छात्रों को इस दौरान पौष्टिक आहार अधिक मात्रा में लेने चाहिए, जिससे उनमें रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी। हमने छात्रों और शिक्षकों को सलाह दी है कि यदि किसी बच्चे को बुखार, खांसी या जुकाम की शिकायत हो तो उसकी तुरंत जांच कराएं।

महाराष्ट्र राज्यसभा का चुनाव निर्विरोध तय

मुंबई । महाराष्ट्र से राज्यसभा की सात सीटों के लिए 26 मार्च को होने वाले चुनाव के लिए शुक्रवार को नामांकन भरने के अंतिम दिन कांग्रेस से राजीव सातव, राकांपा से फौजिया खान, शिवसेना से प्रियंका चतुर्वेदी और भाजपा से डॉ.भागवत कराड ने विधानभवन में चुनाव अधिकारी के समक्ष पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में अपने नामांकन दस्तावेज दाखिल किए। राकांपा की नेता फौजिया खान के नामांकन भरने के साथ ही महा विकास आघाडी के चौथे उम्मीदवार के नाम का सस्पेंस खत्म हो गया। बता दें कि चौथी सीट के लिए कांग्रेस अपना उम्मीदवार उतारना चाहती थी। बता दें कि राकांपा से शरद पवार तथा भाजपा से उदयनराजे भोसले और रामदास आठवले पहले ही नामांकन भर चुके हैं।

नामांकन पत्रों की जांच 16 मार्च को होगी और नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 18 मार्च है। इसके बाद सभी सात उम्मीदवार बगैर मतदान के निर्विरोध निर्वाचित हो जाएंगे। सभी पार्टियों के विधायकों के संख्या बल के अनुसार शिवसेना और कांग्रेस एक-एक सीट, राकांपा दो और भाजपा तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार जिताने में सक्षम हैं। भाजपा के उम्मीदवार डॉ.भागवत कराड महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष चंद्रकांत पाटील और राज्य की पूर्व मंत्री पंकजा मुंडे के साथ नामांकन पत्र दाखिल करने पहुंचे। वहीं कांग्रेस के राजीव सातव ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, मंत्री अशोक चव्हाण, जयंत पाटील, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण, माणिकराव ठाकरे की मौजूदगी में अपना नामांकन दाखिल किया। राकांपा की फौजिया खान ने भी महाविकास आघाडी के शीर्ष नेताओं के साथ अपना नामांकन दाखिल किया।

राज्यसभा सभा सदस्यों का चुनाव राष्ट्रपति चुनाव प्रणाली की तरह ही होता है। राज्यसभा के लिए गुप्त मतदान नहीं, बल्कि ओपन बैलेट होता है। जब टछअ वोट करता है, तो उसे अपनी पार्टी के प्रतिनिधि को वोट दिखाना जरूरी होता है। वरना उसका वोट निरस्त कर दिया जाता है। निर्दलीय विधायकों पर यह नियम लागू नहीं होता।राज्यसभा सदस्य बनने के लिए राज्य के कुल विधानसभा सदस्यों की संख्या को जितने सदस्य चुने जाने हैं, उसमें एक जोड़कर विभाजित किया जाता है। इस बार 26 मार्च को महाराष्ट्र की सात सीटों पर चुनाव होना है। तो इसमें एक जोड़ने पर यह 8 हो जाएगी। इस 8 को महाराष्ट्र विधानसभा में कुल 288 विधायकों की संख्या से भाग देने पर 36 संख्या आएगी उसमें एक और जोड़ने के बाद यह 37 होगी।

पीएमसी बैंक घोटालाः 3 अरेस्ट, बताई थी एचडीआईएल की प्रॉपर्टी की ज्यादा वैल्यू

मुंबई। 4,355 करोड़ के पीएमसी बैंक घोटाले में एडह ने गुरुवार को तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया। इन तीन व्यक्तियों में जसविंदर सिंह बनवैत भी एक है, जो कि बैंक का पूर्व डायरेक्टर है। विश्वनाथ श्रीधर प्रभु और श्रीपाद गोविंद नामक शेष दो आरोपी एक कंसल्टेंट एजेंसी से जुड़े हुए हैं। इस एजेंसी का काम था कि लोन के लिए आवेदन देने वाले लोग गिरवी में जिन प्रॉपर्टीज के कागजात दें, उनकी सही वैल्यू बैंक को बताना।

जब हाउसिंग डिवेलपमेंट ऐंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड यानी एचडीआईएल ने पीएमसी बैंक को लोन के बदले सात प्रॉपर्टियों के दस्तावेज दिए, तो आरोपियों ने बैंक के पूर्व एमडी जॉय थॉमस के कहने पर इनकी मार्केट वैल्यू बाजार भाव से बहुत ज्यादा बताई। आरोपियों की रिपोर्ट के बाद ही बैंक की तरफ से एचडीआईएल को करोड़ों रुपये का लोन दिया गया।

जॉय थॉमस को एडह सितंबर महीने में गिरफ्तार कर चुकी है। इस केस में अब तक कुल 15 गिरफ्तार हुए हैं, जिनमें से 12 के खिलाफ कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल किए जा चुके हैं। पीएमसी केस की प्रवर्तन निदेशालय भी जांच कर रही है। गुरुवार को जिस पूर्व डायरेक्टर जसविंदर सिंह बनवैत को गिरफ्तार किया गया, वह बैंक की ऋण, निवेश एवं कार्यकारी समिति का सदस्य भी था।

जब एचडीआईएल ने लोन में ली रकम वापस नहीं की, तो उसका काम था कि वह एचडीआईएल के मालिकों पर इसके लिए, दबाव डालता। ईओडब्ल्यू ने अपनी जांच में पाया कि बनवैत ने अपनी तरफ से ऐसा कोई प्रयास नहीं किया।

मुंबईः बढ़ा कोरोना का खतरा, टलीं रेल यात्राएं

मुंबई। नोवेल कोरोना वायरस के पॉजिटिव मामले बढ़ने के बाद देशभर में राज्य सरकारें अडवाइजरी जारी कर रही हैं। स्कूल बंद हो रहे हैं। आयोजन टाले जा रहे हैं, ऐसे में लोगों द्वारा ट्रेन यात्राएं टालने का सिलसिला भी जारी है। लंबी दूरी की ट्रेनों के अलावा मुंबई लोकल के टिकट बिक्री आंकड़ों से भी कोरोना वायरस के प्रभाव को समझा जा सकता है। पश्चिम रेलवे पर 12 मार्च को पिछले साल के मुकाबले 48.09 प्रतिशत ज्यादा टिकटें रद्द हुई हैं। मध्य रेलवे पर 12 मार्च को 65,943 टिकटें बुक हुई थीं, जबकि 22,441 टिकटें रद्द हो

गईं। मध्य रेलवे पर एक ही दिन में 34.03 प्रतिशत टिकटें रद्द हुईं।

पश्चिम रेलवे के स्टेशनों से शुरू होने वाली ट्रेनों में 15 दिनों में पिछले साल के मुकाबले 21 प्रतिशत अधिक टिकटें रद्द हुई हैं। 1 मार्च से 12 मार्च तक पिछले साल 4,34,403 टिकटें रद्द हुई थीं, जबकि इसी अवधि में इस साल 5,27,045 टिकटें रद्द हुई हैं। पिछले साल के मुकाबले मार्च के 12 दिनों में इस बार 92,642 टिकटें ज्यादा रद्द हुई हैं। मध्य रेलवे पर 1 मार्च से 12 मार्च (2019) तक 1,07,500 टिकटें रद्द हुई थीं। इस साल यह आंकड़ा 1,39,137 है। पिछले साल के मुकाबले मध्य रेलवे पर भी 31,687 टिकटें ज्यादा रद्द हुई हैं।

हिंदुजा अस्पताल के 82 स्टाफ रहेंगे अलग-थलग

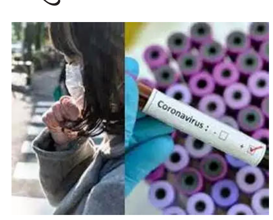

मुंबई। गुरुवार की शाम हिंदुजा अस्पताल में इलाज ले रहे एक मरीज में कोरोना वायरस की पुष्टि होने के बाद प्रशासन ने अस्पताल के 82 स्टाफ मेंबर्स को अलग-थलग रहने का निर्देश दिया है।

बीएमसी स्वास्थ्य विभाग की कार्यकारी अधिकारी डॉ. पद्मजा केसकर ने कहा कि अस्पताल से पुष्ट मामला सामने आने के बाद हमने ऐहतियातन अस्पताल के 82 लोगों को अलग-थलग रहने को कहा है। इसमें से 8 लोग ऐसे हैं, जो पुष्ट मरीज के क्लोज कॉन्टैक्ट में थे, इसलिए इन्हें अस्पताल में ही अगले 14 दिन तक आइसोलेशन में रहने का निर्देश दिया गया है। इन सातों के स्वाब सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिए गए हैं।

दहेज की भेट चढ़ी एक और बेटी

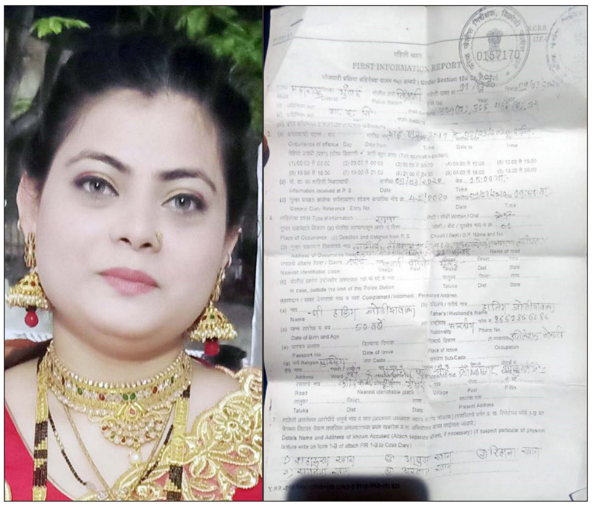

आरोपियों को बचा रही है, विक्रोली पुलिस

क्या मुंबई शहर में भी सुरक्षित नहीं हैं, महिलाएं?

संवाददाता

मुंबई। 8 मार्च यानी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस जिस दिन लोग महिलाओं को सम्मानित करते है व उन्हें न्याय दिलाने की बात कहते है, उसके अगले ही दिन 9 मार्च को ही विक्रोली पुलिस स्टेशन के अन्तर्गत अफसाना जोड़ियावाला की घटना ने फिर एक बार महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल खड़ा कर दिया। इस मामले में पीड़ित परिवार का रो रो कर बुरा हाल है परिवार वाले का आरोप है कि ससुराल वाले ने उसे मारकर फाँसी पर लटका दिया। जिसमे पुलिस ने एफआईआर लेकर दो ही आरोपी को गिरफ्तार किया है बाकी 3 अभी तक फरार है। जिससे यह साबित होता है कि पुलिस लापरवाही कर रही है।

सऊदी अरब से लौटे 71 साल के बुजुर्ग की महाराष्ट्र के बुलढाणा में मौत, कोरोना से संक्रमित होने का संदेह

संवाददाता

मुंबई। सऊदी अरब से लौटे एक बुजुर्ग की शनिवार को महाराष्ट्र के बुलढाणा में मौत हो गई। संदेह है कि 71 साल के इस बुजुर्ग को कोरोनावायरस था। उनके सैम्पल की जांच रिपोर्ट सोमवार तक आ सकती है। डॉक्टरों के मुताबिक, बुजुर्ग को डायबिटीज और हाइपर टेंशन की दिक्कत थी। इससे पहले शुक्रवार को दिल्ली में 69 साल की महिला की कोरोनावायरस के कारण मौत हो गई थी। इस महिला को भी डायबिटीज और हाइपर टेंशन की समस्या थी। वहीं, 12 मार्च को कर्नाटक में 76 साल के बुजुर्ग की कोरोनावायरस के चलते मौत हुई थी। मेडिकल ऑफिसर प्रेमचंद पंडित ने बताया कि बुलढाणा के चिखली के रहने वाले

बुजुर्ग शुक्रवार को सऊदी अरब से भारत लौटे थे। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल लाया गया। इसके बाद शनिवार सुबह कोरोना के लक्षण दिखने पर आइसोलेशन वार्ड में शिफ्ट किया गया। इलाज के दौरान शाम 4.20 बजे बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया। उन्हें डायबिटीज और हाइपरटेंशन की शिकायत भी थी। मरीज का सैम्पल नागपुर में कोरोना जांच केंद्र में भेजा गया है। वहां से 15 या 16 मार्च को रिपोर्ट आ सकती है। प्रशासन ने बुजुर्ग के परिवार के अन्य सदस्यों को घर में ही रहने की सलाह दी है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे के मुताबिक, राज्य में 26 लोग कोरोनावायरस से संक्रमित हैं। शुक्रवार शाम तक कोरोनावायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 17 थी।

सभी स्कूल-कॉलेज बंद, परीक्षाएं जारी रहेंगी: महाराष्ट्र सरकार ने सभी सरकारी और गैर-सरकारी स्कूल-कॉलेजों में 31 मार्च तक छुट्टी का आदेश दिया है। 10वीं, 12वीं और यूनिवर्सिटी की परीक्षा शेड्यूल के अनुसार ही होगी।

(पृष्ठ 1 का शेष)

बढ़ा कोरोना का खतरा

पश्चिम रेलवे के स्टेशनों से शुरू होने वाली ट्रेनों में 15 दिनों में पिछले साल के मुकाबले 21 प्रतिशत अधिक टिकटें रद्द हुई हैं। 1 मार्च से 12 मार्च तक पिछले साल 4,34,403 टिकटें रद्द हुई थीं, जबकि इसी अवधि में इस साल 5,27,045 टिकटें रद्द हुई हैं। पिछले साल के मुकाबले मार्च के 12 दिनों में इस बार 92,642 टिकटें ज्यादा रद्द हुई हैं। मध्य रेलवे पर 1 मार्च से 12 मार्च (2019) तक 1,07,500 टिकटें रद्द हुई थीं। इस साल यह आंकड़ा 1,39,137 है। पिछले साल के मुकाबले मध्य रेलवे पर भी 31,687 टिकटें ज्यादा रद्द हुई हैं। मध्य रेलवे से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2020 में रोजाना औसतन 46 लाख यात्री सफर करते थे। मार्च में यह आंकड़ा घटकर 42 लाख रह गया है। पश्चिम रेलवे पर जनवरी 2020 में रोजाना औसतन 37.01 लाख लोगों ने यात्रा की थी, फरवरी 2020 में ये आंकड़ा घटकर 35.62 लाख रह गया। मुंबई लोकल में 80 प्रतिशत यात्री सीजन टिकट यानी पास पर यात्रा करते हैं, लेकिन रोजाना बिकने वाली कार्ड टिकटों में भी असर देखा गया है। पश्चिम रेलवे पर रोजाना औसतन 7,77,837 कार्ड टिकटें बिकती हैं, जबकि 9 मार्च से 12 मार्च तक चार दिनों में रोजाना औसतन 6,95,965 टिकटें बिकी हैं। किराए में कटौती के बाद बेस्ट में फरवरी 2020 तक रोजाना औसतन 35 लाख यात्री सफर कर रहे थे। 7 मार्च के बाद यात्रियों की संख्या में कमी दिखाई दी है। 7 मार्च को 28.97 लाख, 9 मार्च को 30.88 लाख और 11 मार्च को 30.97 लाख यात्रियों ने सफर किया।

बॉलीवुड में लॉकडाउन की घोषणा

इसमें फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्पलाइज (एफडब्ल्यूआईसीई), इंडियन मोशन पिक्चर्स प्रोड्यूसर एसोसिएशन (आईएमपीपीए), वेस्टर्न इंडिया फिल्म प्रोड्यूसर एसोसिएशन (डब्ल्यूआईएफपीए), आईएफपीटीसी और गिल्ड के सदस्य शामिल हुए। बैठक में निर्माताओं से कहा गया है कि वह अगर देश या विदेश में कहीं भी शूटिंग कर रहे हैं तो अपनी यूनिट को वहां से वापस ले आएं। मीटिंग में ऑल इंडिया फिल्म एम्प्लाइज कॉन्फेडरेशन के नेशनल प्रेसिडेंट और फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्पलाइज के जनरल सेक्रेटरी अशोक दुबे और फेडरेशन के मुख्य सलाहकार और डायरेक्टर एसोसिएशन के अशोक पंडित के अलावा इंपा के प्रेसिडेंट टीपी अग्रवाल , एक्जीक्यूटिव मेंबर अभय सिन्हा और वेस्टर्न इंडिया फिल्म प्रोड्यूसर एसोसिएशन के प्रेसिडेंट संग्राम शिर्के और आईएफपीटीसी के जेडी मजीठिया, निमार्ता टीनू वर्मा, प्रदीप सिंह तथा गिल्ड के पदाधिकारी मौजूद थे। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्पलाइज में पांच लाख से ज्यादा सदस्य हैं। मीटिंग में यह भी फैसला लिया गया है कि निमार्ता कोरोनावायरस से बचाव के लिए शूटिंग लोकेशन पर एहतियाती उपाय करें। सभी शूटिंग स्पॉट्स पर सैनिटाइजर और मास्क की व्यवस्था करें और साफ-सफाई पर ध्यान दें। शूटिंग दोबारा कब शुरू होगी, इसके लिए एक बार फिर 30 मार्च को मीटिंग के बाद फैसला लिया जाएगा।

फ्लोर टेस्ट से पहले कोरोना टेस्ट

हालांकि, तराना से कांग्रेस विधायक महेश परमार ने दावा किया कि एक-दो साथियों में कोरोना के लक्षण दिखाई दिए हैं। परमार ने कहा, हमारे कुछ साथियों का स्वास्थ्य खराब है। एक-दो विधायकों में कोरोना जैसे लक्षण नजर आ रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि वे मजाक तो नहीं कर रहे तो परमार ने कहा, कैसी बात कर रहे हैं? विधायक होकर मजाक करेंगे? भगवान दुश्मन के साथ भी ऐसा न करे। वित्त एवं स्वास्थ्य मंत्री तरुण भनोट ने भास्कर से कहा- हमें सभी विधायकों के स्वास्थ्य की चिंता है। पता चला है कि बेंगलुरु के जिस रिजॉर्ट में विधायक में बंधक बनाकर रखे गए हैं, वहां कोरोना के मरीज पाए गए हैं। हरियाणा के मानेसर में जहां भाजपा विधायकों को रखा गया है, वहां भी आईटीबीपी के कैंप में कोरोना संदिग्धों को रखा जा रहा है। परीक्षण जरूरी है। भाजपा फ्लोर टेस्ट की मांग कर रही है, लेकिन विधायकों को बेंगलुरु में बंधक बनाकर रखा है। सदन कोई डांस फ्लोर नहीं है, जहां भाजपा कार्यकताओं को डांस करना हो। यहां विधायकों को आना है, उनके संक्रमण की जांच जरूरी है। कमलनाथ सरकार में मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा, हमारे पास बहुमत है। कल फ्लोर टेस्ट हो ये जरूरी नहीं। अभी तो कोरोना चल रहा है। वहीं, एक अन्य मंत्री उमंग सिंघार ने कहा- बजट सत्र नहीं टाला जाएगा। विधानसभा स्पीकर एनपी प्रजापति ने कहा कि किसी भी चीज से ज्यादा जरूरी लोगों का स्वास्थ्य होता है। मैं लोकतंत्र का संरक्षक हूं, मुझे सबकी चिंता है। उन्होंने कहा कि जब चिंता का विषय है तभी तो लोग सवाल कर रहे हैं।

महाराष्ट्र का समाप्त होनेवाला विधानसभा सत्र मायूस भरा

एन पी आर पर कोई निर्णय नहीं हुवा, मौलाना आजाद आर्थिक महामंडल को 500 करोड़ का फंड नहीं दिया गया, विरोध होगा: शमशेर खान पठान

महाराष्ट्र विधानसभा का सत्र शनिवार को समाप्त हो गया जिस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुवे अवामी विकास पार्टी के अध्यक्ष व पूर्व ऐ सी पी शमशेर खान पठान ने कहा के यह बजट सत्र मुसलमानों के लिए बहुत ही मायूस भरा रहा क्योंकि सरकार और हमारे विधायक मौलाना आजाद आर्थिक विकास महामण्डल के लिए 500 करोड़ का फंड लाने में नाकाम रहे जिसके कारण हमारे शिक्षित बेरोजगार युवाओं को गहरा झटका लगा है क्योंकि इसी मौलाना आजाद आर्थिक विकास महामण्डल से मुस्लिम युवाओं को रिक्शा, ओला के लिए कार और दुसरे रोजगार के लिए कम ब्याज पर कर्ज मिलता था। साथ ही इतने जोरदार विरोध के बावजूद सरकार ने एन पी आर पर कोई निर्णय नहीं किया और न कोई करारदाद सत्र में मंजूर की जबकि जुमा जुमा आठ दिन की दिल्ली सरकार ने तुरंत एन पी आर के विरुद्ध विधानसभा में एक करारदाद को पारित किया। राज्य विधानपरिषद में बी जे पी के नेता परवीन दरेकर ने यह कहा के मुंबई बाग को आतंकवादि संस्था के जरिये फंड उपलब्ध कराया जा रहा है लेकिन अपने उत्तर में गृह मंत्री अनिल देशमुख ने कहा के मुंबई बाग को किसी भी आतंकवादी संगठन या किसी गैर कानूनी तरीके से फंडिंग है लेकिन मामला यहीं नहीं रुकना चाहिए और परवीन दरेकर जरिये विधान परिषद् में जो गलत बात मुंबई बाग के ताल्लुक से कही गयी उसे परिषद् के रिकॉर्ड से निकाल दिया जाना चाहिए और इनपर कार्रवाई करते हुवे विधान परिषद् के सभापति ने उन्हें परिषद् की सदस्यता से निलंबित कर देना चाहिए और उनसे माफी मंगवानी चाहिए। अगर आने वाले विधानसभा सत्र तक यह नहीं हुवा तो परवीन दरेकर के घर के बाहर काले झंडों से विरोध प्रदर्शन किया जाएगा और उनसे माफी मंगवाई जाएगी। आंध्रा प्रदेश की सरकार की ही तरह महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा के लिए 'दिशा' कानून को लगाना था लेकिन किसी कारण यह कानून भी नहीं लाया जा सका लेकिन ऐसा कहा गया के बहुत जल्द 'दिशा' कानून बनाने के लिए २ दिन का विशेष विधान सभा सत्र बुलाया जाएगा और यह कानून पास किया जाएगा। हम महाराष्ट्र सरकार से अल्पसंख्यांक मंत्री नवाब मलिक साहब और सभी विधायक से अपील करते हैं के इस २ दिन के विशेष सत्र में एन पी आर के विरुद्ध करारदाद पास कराई जाए और साथ ही मौलाना आजाद आर्थिक महामण्डल को ५०० करोड़ रुपया का फंड दिया जाए ता के शिक्षित मुस्लिम युवकों को खुद का रोजगार मिल सके। अगर इस विशेष सत्र में यह पास नहीं हुवा तो मौलाना आजाद आर्थिक विकास महामण्डल के कार्यालय को अवामी विकास पार्टी की ओर से ताला लगाया जाएगा और साथ ही मुस्लिम विधायकों को काले झंडे दिखा कर उन्हें चूड़ियां दी जाएगी।

पत्रकारिता- 'तब और अब' पर परिचर्चा

मुंबई विश्वविद्यालय के गरवारे शिक्षण संस्थान में 'पत्रकारिता तब और अब' विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जाने-माने साहित्यकार एवं वरिष्ठ पत्रकार मनमोहन सरल ने इस अवसर पर बताया कि स्वतंत्रता संग्राम में पत्रकारिता की बड़ी भूमिका रही। उस दौर की पत्रकारिता में महात्मा गांधी एवं तत्कालीन अनेक स्वतंत्रता सेनानियों का योगदान भुलाया नहीं जा सकता। गणेश विद्यार्थी जैसे पत्रकारों ने खुद रिपोर्टिंग की, संपादन किया और अखबार निकाले। उन्होंने बताया कि तब पत्रकारिता मिशन हुआ करती थी, आजादी का मिशन। आज पत्रकारिता कमीशन बन गई है। तब समाज सुधार, सच्चाई और ईमानदारी की पत्रकारिता होती थी, अब ऐसे लोग हाशिये पर चले गए हैं। चाटुकार और कमीशन मीडिया का बोलबाला हो गया है। आज फाइनेंस की हुई मीडिया का वर्चस्व है। आज के विषय महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, शिक्षा की व्यवस्था और जनगणना हैं, जबकिशक्तिशाली लोग पैसे के बल पर अपनी मनमर्जी के मुताबिक खबरें छपवाते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हिंदी पत्रकारिता पाठ्यक्रम के समन्वयक सरोज त्रिपाठी ने आज के दौर में पत्रकारिता के गिरते स्तर पर चिंता व्यक्त की। वरिष्ठ पत्रकार सैयद सलमान ने प्रशिक्षु पत्रकारों से कमीशन पत्रकारिता को खत्म करने और मिशन पत्रकारिता के नए युग की शुरूआत करने का आह्वान किया। आदित्य दुबे ने युवा पत्रकारों को हौसला देते हुए कहा कि, निर्भीक पत्रकारों की समाज को आज जरूरत है। पूर्व छात्र राकेशमणि तिवारी ने कमीशन पत्रकारिता के दौर में छोटे अखबारों और पत्रिकाओं के प्रकाशन में आने वाली दिक्कतों पर प्रकाश डाला। पूर्व शिक्षा निरीक्षक राजदेव यादव ने भी छात्रों को संबोधित किया। अनेक अखबारों और पत्रिकाओं में प्रमुख पदों पर रहे मनमोहन सरल के हाथों वर्ष २०१७-१८ एवं २०१८-१९ की वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजयी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन विनय सिंह ने किया और अफसाना कुरैशी ने आभार प्रदर्शन किया। सुनील सावंत, धनंजय मिश्रा, लखन सिंह ठाकुर, पुरुषोत्तम कनौजिया, प्रिंस तिवारी, अनिरुद्ध तिवारी और धीरज गिरी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

आरपीआई में तरनजीत सिंह की अहम भूमिका: रामदास आठवले

संवाददाता

आरपीआई के तेजतर्रार युवा नेता एवं मुंबई सचिव तरनजीत सिंह के उल्लेखनीय कार्यों को देखते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास आठवले ने उनकी तारीफों के पुल बांधते हुए कहा कि सिख समुदाय के तरनजीत सिंह के हमारे पार्टी में आने से संगठन को बहुत ही मजबूती मिली है। डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर के मार्ग पर चलने के कारण हमने पार्टी में उन्हें प्रमुख भूमिका निभाने का मौका दिया है और वह पार्टी में अपना अहम योगदान दे रहे है। इसके साथ ही वह मुंबई में महती भूमिका निभा रहे है। बाबा साहेब आम्बेडकर की विचारधारा को मानने वाले इसी तरह अन्य समुदाय से पार्टी में आनेवालों का भी हम स्वागत करेंगे और उन्हें पूरा सम्मान देंगे। बता दें कि समाजसेवक के रूप में पहले से ही मशहूर तरनजीत सिंह मुंबई के सभी क्षेत्रों में अपने सेवाकार्यों के बलबूते अपनी एक नई पहचान बना रहे है और पार्टी को भी हर स्तर पर मजबूत बना रहे है। संगठनात्मक दृष्टि से एवं सक्रिय रूप से पार्टी को विस्तारित कर रहे है। वह सभी धर्मों और समाज में अपनी गहरी पैठ रखते है। समय-समय पर मुफ्त चिकत्सा शिविर, रक्तदान शिविर, गरीब जरूरतमंदों को हर तरह की सहायता जैसे अनेकानेक कार्यों में वह सदैव तत्पर रहते है। राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, शिक्षा, आरोग्य, आदि क्षेत्रों में वह बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है।

मुंबई और मांडवा के बीच एम2एम1 रोपैक्स फैरी सेवा शुरू

जो भी दैनिक यात्री, नौकरीपेशा और छुट्टियां मनाने मांडवा या अलीबाग के विभिन्न क्षेत्रों में जाते थे उनके लिए एक राहत देने वाली बात है, एम2एम1 रोपैक्स फैरी सर्विस उनके लिए 15 मार्च 2020 से यातायात का नया साधन लेकर आ रहा है। यह रो-पैक्स वेसेल, ग्रीस-एम2एम1 से मंगाया गया है जिसका निर्माण सितम्बर, 2019 में किया गया था, इसकी क्षमता 500 यात्रियों और 145 वाहन प्रति ट्रिप ले जाने की है। यह प्रतिदिन मुंबई के फेयरी व्हार्फ से रायगढ़ के मांडवा का चक्कर लगाएगी,इसके लिए एक टर्मिनस का निर्माण किया गया है,जहां से उन जल यातायात वाले क्षेत्रों में विश्व स्तर की रोपैक्सफैरी सेवा उपलब्ध कराएगी। एम2एम फैरिस प्राइवेट लिमिटेड (एमएफपीएल) का निर्माण मांडवा पोर्ट एलएलपी ने किया है, इनको मांडवा में पैसेंजर टर्मिनल को तैयार करने, उसका संचालन और प्रबंधन का अनुभव है, अब वह महाराष्ट्र मेरीटाइम बोर्ड और मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के संयुक्त उपक्रम के रूप में मुंबई के जल यातायात को सुचारु रूप से चलाने के लिए नयी रोपैक्स फेयरी सर्विस शुरू करने जा रही है। अब मुंबई, देश का पहला मेट्रोपोलिटन बन गया है जहां यातायात के इंफ्रास्ट्रचर के रूप में रोपैक्स सेवा शुरू की जा रही है। एम2एम-1 रोपैक्स फेयरी का किराया नीचे दिया जा रहा है। यह फेयरी सेवा रोज हर तीन घंटे पर मुंबई के फेयरी व्हार्फ से अलीबाग के मांडवा रोपैक्स टर्मिनल से उपलब्ध रहेगी। पहले महीने में सेवाएं सीमित होंगी और समय सारिणी को इसके वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। सिंगल और रिटर्न टिकट मुंबई के फेयरी व्हार्फ और मांडवा जेटी, अलीबाग के टिकट काउंटर से लिए जा सकते हैं। बाहरी डेक पर सीट का टिकट 225 रुपये, अंदर के एसी सीट के लिए 335 रुपये और वीआईपी लाउन्ज के 555 रुपए लगेंगे। वाहन और छोटी कार 880 रुपए, मध्यम आकार की कार के लिए 1320 रुपए और बड़ी कार के लिए 1760 रुपए लगेंगे। मोटर साइकिल के लिए 220 रुपए और साइकिल के 110 रुपये लगेंगे। मिनीबस का किराया 3300 और बस का किराया 5500 रूपया लगेगा। फिलहाल बस ले जाने की सुविधा कुछ महीनों बाद शुरू की जाएगी। ऑनलाइन बुकिंग www.m2mferries.com) की सेवा 19 मार्च 2020 से शुरू की जाएगी, इससे यात्री घर या दफ्तर से आराम से टिकट बुक करा सकेगा।

केटीएम स्टंट शो का विरार में आयोजन संपन्न

के.टी.एम.स्टंट शो का आयोजन शनिवार को म्हाडा मेन रोड, विरार नालासोपारा लिंक रोड, विरार पश्चिम, जिला ठाणे में में किया गया। के.टी. एम.यूरोप की सबसे बड़ी रेसिंग ब्रांड कंपनी है। स्टंट शो को ग्राहकों एवं युवाओंका अच्छा प्रतिसाद मिला। पेशेवर रेसरों से प्रशिक्षण दिलानेके साथ-साथ स्टंट- कला देकने का अवसर मिला। श्री .सुमित नारंग, प्रेसिंडेंट, बजाज ऑटो लिमिटेड ने कहा, यह फेस्टीवल मौज-मस्ती से भरा विशाल मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत करने के इरादे से आगे चलकर भी आयोजित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ के अमरजीत के नाम हुआ दोहरा खिताब

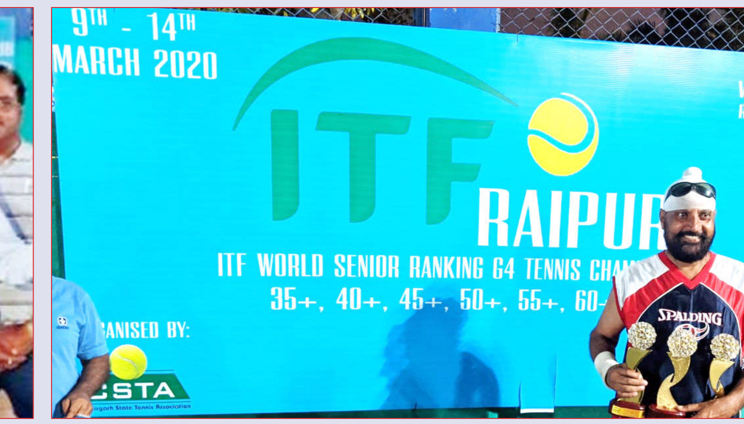

संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य के टेनिस खिलाड़ी अमरजीत चड्ढा और शशंक शाह की जोडी ने इटरनेशनल चेंपियनशिप में 60 प्लस डबल का खिताब अपने नाम कर लिया है, छत्तीसगढ़ टैनिस संघ कि मेहजबानी मे वीआईपी क्लब में हुए। टुर्नामिंट मे 60 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें शुक्रवार को मेन्स डबल कैटेगिरी ने फाइनल मुकाबले हुए 60 प्लस डब्लस में अमरजीत चड्ढा व शशांक कि जोडी ने भारत कि और से खेलते हुए दीपक टीएस गंभीर को सीधे सेट पर 6-0 , 6-3, से हराकर गोल्ड मैडल अपने नाम किया वही 50 प्लस डबल कैटेगिरी मे अमर और एसबी शर्मा कि जोडी ने अनुज और राहुल कि जोडी को 2-1 से हराया 55+ डब्बल कैटेगिरी फाइनल मुकाबले मे कुलदीप और संजय कि जोडी ने एसबी शर्मा और राजेश पाटील को 2-1 से हराया 35+ डब्बल मुकाबले मे विनोद और रोहन कि जोडी ने रविन्द्र और फरीद कि जोडी को 6-2 से शिकस्त दी है कोरोना वायरस के कारण 20 अप्रैल तक सभी टुर्नामिंट को रद्द कर दिया गया है, इटरनेशनल टैनिस फेडरेशन ने 20 अप्रैल तक कोई भी टुर्नामिंट नही करवाने का फैसला लिया है, कोरोना वायरस को नजर मे रखते हुए सिनियर, जुनियर कोई भी टुर्नामिंट नही करवाया जायेगा इसका सीधा असर छत्तीसगढ़ पर पडा है, छत्तीसगढ़ टेनिस मेहजबानी में 23 से 28 मार्च तक रायपुर मे आईटीएफ जूनियर चैंपियनशिप होने वाली थी जिसे रद्द कर दी गयी है।

कारोबार करते वक़्त शर्माए नहीं, कारोबार करने के गुर सीखे: डॉ धनंजय दातार की सलाह

कोई भी कारोबार छोटा नहीं होता, इसलिए कारोबार करते वक़्त शर्माए नहीं। कारोबार करने के गुर सीखने पर सौ फीसदी सफलता मिलेगी ऐसी सलाह देकर कारोबार के गुर हासिल कर कारोबार में नाम कमाए और बहुत आगे बढ़े ऐसा आवाहन उद्योगमहर्षी डॉ धनंजय दातार ने कारोबारियों को किया। बदलापुर के शाश्वत ग्रुप की ओर से और चिंतामणी क्रिएशन की संकल्पना से उद्योगसंध्या मसाला किंग यादों का सफर कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में डा. धनंजय दातार ने कारोबार के क्षेत्र में उन्होंने हासिल की उपलब्धि और रोमांचक सफर के बारे में जानकारी देते हुए युवा उद्यमियों को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कारोबार शुरू करते वक़्त की दिक्कतें, बाद में हासिल हुई सफलता और कारोबार में नाम कमाने के बारे में उदाहरणों के साथ विस्तार से आसान शब्दों में बताया। समाज के कुछ तबके के लोग ही कारोबार में सफलता हासिल कर सकते है ऐसा सोचा जाता हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। मराठी लोग भी कारोबार में सफल हो सकते है और नाम कमा सकते हैं। दोस्ती कारोबार में सफलता दिलवाती हैं तो दुश्मनी कारोबार को पीछे धकेल देती है, इसलिए गुस्से पर काबू करना बेहद जरूरी हैं और साथ ही सभी धर्मों के लोगों का सम्मान भी करना जरूरी हैं। उन्होंने आगे कहा, आज के समय में युवाओं को एक ब्रांड कि जरूरत होती है, यह बात ध्यान में रखते हुए कारोबार करना जरूरी हैं। खरीदारी कोई भी कर सकता हैं, लेकिन कुछ बेचना यह एक बहुत बड़ी कला हैं, इसलिए कारोबार करने वाले में सेल्समन शिप होना बेहद जरूरी हैं। साथ ही कोई भी कारोबार करते हुए शमार्ना नहीं चाहिए। कारोबार करते हुए मैं कभी भी शरमाया नहीं। मैंने खुद बोरे उठाए है, माल की डिलिवरी की हैं। आगे उन्होंने कहा, कारोबार में टर्नओव्हर नहीं बल्कि मुनाफा बेहद महत्वपूर्ण हैं। इसलिए आप कारोबार कोई भी करें, लेकिन अपने ब्रांड का कचरा न करें। हम जो चीज बनाते हैं उसे उचित दाम मिलना ही चाहिए ऐसा नहीं हुआ तो ज्यादा टर्नओव्हर होने के वावजूद इंसान ऊंचाई पर पहुंच कर गिरने का खतरा होता हैं। कर्जा कारोबार के लिए टॉनिक का काम करता हैं, लेकिन वक़्त पर कर्जा चुकाना भी जरूरी होता हैं। कारोबार में सफल होने की जिद इंसान के दिल में होनी चाहिए, उसी वक़्त वह कितनी भी कठिनाइयां आए उसे पार कर सफलता हासिल कर सकता हैं। कारोबार में सफल होने के लिए ज्यादा पढ़ा लिखा होने की जरूरत नहीं है। कम पढ़ा लिखा आदमी भी सफल कारोबारी बन सकता हैं। दुबई में ऐसे कई लोग है ऐसी जानकारी भी उन्होंने इस समय दी।

➤ लोखंडवाला कविता क्लब में मुक्ती फाउंडेशन के सभागार में वुमेन्स अचीवर अवार्ड 2020 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अरुणा राजे द्वारा अभिनेत्री सजनी श्री वास्तवा को सम्मान रत्न अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया। इस उपलक्ष्य में कई गणमान्य अतिथी मोहिनी मुले, नवनी परिहार, हीना खान, सुनील पाल, रागिनी खन्ना, श्वेता खन्ना उपासना सिंह आदि अतिथी गण मौजूद थे। इस मौके पर अभिनेत्री सजनी श्री वास्तवा ने कहा कि मुझे आमंत्रित करने और मुझे सम्मानित करने के लिए केशव राय जी आभार प्रकट किया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सीएए होर्डिंग विवादः बीजेपी बोली- हम लाठी भी चलवाएंगे, घर भी बिकवाएंगे और पोस्टर भी लगवाएंगे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ प्रदर्शनों ने हिंसा की शक्ल ले ली थी। हिंसा में सार्वजनिक संपत्तियों के नुकसान की भरपाई के लिए आरोपियों की तस्वीर वाली होर्डिंग्स लखनऊ में अलग-अलग चौराहों पर लगाई गईं। इस पर संज्ञान लेते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट ने होर्डिंग्स हटवाने का आदेश दिया। इसके बाद योगी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने भी पूछा था कि किस कानून के तहत यह कार्रवाई की गई। उधर, यूपी के

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का एक पुराना बयान बीजेपी की ओर से अभी भी जमकर ट्वीट किया जा रहा है।

यूपी बीजेपी के प्रवक्ता शलभमणि त्रिपाठी ने विधानसभा में योगी आदित्यनाथ के भाषण का एक विडियो ट्वीट किया है। इस विडियो में योगी आदित्यनाथ को यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'कहीं कोई तिनका नहीं हिल रहा है। 12-15 लोग हाथों में तलवार लेकर जाएंगे जो दिखेगा उस पर हमला करेंगे। इसके बाद भी उम्मीद की जाएगी कि सरकार उन पर लाठी न बरसाए। उम्मीद करते हैं कि सरकार उनकी शांति से आरती उतारे। ऐसा नहीं हो सकता है।'

इन सबके बीच खास बात यह है कि योगी सरकार उपद्रवियों पर कार्रवाई के लिए उत्तर प्रदेश रिकवरी ऑफ डैमेज टू पब्लिक ऐंड प्राइवेट प्रॉपर्टी अध्यादेश-2020 लेकर आई, जिसे कैबिनेट से मंजूरी भी मिल गई है। इसके तहत आंदोलनों-प्रदर्शनों के दौरान सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर दोषियों से वसूली भी होगी और उनके पोस्टर भी लगाए जाएंगे।

भारत में 10 मरीजों को मिली कोरोना से निजात, अब तक कुल 82 मामले

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या दो हो गई है। शुक्रवार को दिल्ली में 69 साल की एक महिला ने दम तोड़ दिया जो कि कोरोना वायरस से संक्रमित थीं। हालांकि इस बीच एक अच्छी खबर भी आई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कोरोना के 7 मरीज ठीक हो गए हैं। इसके अलावा केरल में पहले ही तीन मरीज ठीक होकर घर जा चुके हैं। इस तरह अब तक देश में कुल 82 कोरोना के मामले सामने आए जिनमें से 10 ठीक हो चुके हैं। इसका मतलब है कि अभी 70 मरीजों का इलाज चल रहा है क्योंकि दो मरीजों की मौत हो चुकी है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों की कुल संख्या शुक्रवार को 82 पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा, अभी तक देश में कोरोना वायरस के 82 मामलों की पुष्टि हुई है। इनमें केरल के वह तीन लोग भी हैं, जिन्हें इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। इसके अलावा दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल से सात अन्य लोग भी ठीक हो चुके हैं। हालांकि मंत्रालय

ने यह जानकारी नहीं दी कि सफदरजंग के ठीक हो चुके लोगों को कब छुट्टी दी जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पुष्टि किए गए मामलों में 65 भारतीय, 16 इतालवी और एक कनाडाई नागरिक हैं। इन लोगों के संपर्क में आए अन्य लोगों को भी तलाश कर उनकी जांच की जा रही है। अब तक इस प्रक्रिया में 4,000 से अधिक ऐसे लोगों की पहचान की गई है, जो कि संक्रमण से ग्रस्त लोगों के संपर्क में आए थे। अब इन लोगों को भी निगरानी में रखा गया है। अग्रवाल ने कहा, प्रमुख और छोटे बंदरगाह पर कुल 25,504 यात्रियों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। इसके अलावा लैंडपोर्ट पर 14 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग हुई है।

भारत सरकार ने सामुदायिक निगरानी के तहत कम से कम 42,296 यात्रियों की जांच की है, जिनमें से 2,559 लोगों में संक्रमण के लक्षण मिले और 522 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें 17 विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। इसके अलावा 30 हवाईअड्डों पर कुल 10,876 उड़ानों से कम से कम 11,71,061 यात्रियों की जांच की जा चुकी है। संयुक्त सचिव ने यह भी कहा कि 3,062 यात्रियों और 583 संपर्क में आए लोगों की पहचान की गई। सरकार ने कोरोना वायरस से बुरी तरह प्रभावित चीन, ईरान और जापान जैसे देशों में फंसे भारतीयों को वापस लाने का भी काम किया है।

अग्रवाल ने कहा कि अब तक ईरान से 1,199 नमूनों को एकत्र किया गया है और परीक्षण के लिए भारत लाया गया है। सरकार ने स्वास्थ्य मंत्रालय के चार डॉक्टरों की एक टीम रोम भेज दी है। टीम के पास भारतीयों के नमूने एकत्र करने के लिए पर्याप्त सामग्री भी उपलब्ध है।

यूपी में कोरोना रोकने में नहीं दिया साथ तो होगी जेल

लखनऊ। कोरोना वायरस की रोकथाम में सहयोग न करने वाले को जेल की हवा तक खानी पड़ सकती है। मंडलायुक्त मुकेश मेश्राम ने मंडल के सभी जिलों के जिलाधिकारियों को सख्ती से व्यवस्था लागू करने के निर्देश दे दिए हैं। कोरोना वायरस से ग्रसित व्यक्ति की बीमारी छिपाने, सूचना न देने, अस्पताल में भर्ती न करवाने या जांच और भर्ती के लिए पहुंची टीम का सहयोग न करने वालों के विरुद्ध प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा। इसके अलावा कोरोना के रोकथाम व बचाव के प्रयास के लिए 'आउटब्रेक रिस्पांस कमिटी' भी गठित की गई है। मंडलायुक्त ने बताया कि कोरोना वायरस का कोई भी संदिग्ध रोगी, पारिवारिक सदस्य या संपर्क में आया अन्य व्यक्ति अगर जांच नहीं करवाता है और जांच करने के लिए पहुंची टीम का सहयोग नहीं करता है, तो इसे बाधा डालकर माहौल खराब करने का आरोपी मानते हुए कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में आफत की बरसात, 24 की जान गई, 4-4 लाख के मुआवजे का ऐलान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को मौसम लोगों पर कहर बनकर बरसा। भारी बारिश और ओला गिरने से जहां एक ओर खेतों में तबाही का आलम रहा, वहीं हादसों में प्रदेश के अलग-अलग जिलों में तकरीबन 24 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, मौसम की मार से जौनपुर और मीरजापुर जिले में चार -चार लोगों की मौत हो गई जबकि सोनभद्र, चन्दौली और भदोही में भी एक-एक लोगों की जान चली गई।

मुख्यमंत्री ने इस प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने लोगों के परिजन से सहानुभूति जताई है। साथ ही, मृत व्यक्तियों के पीड़ित परिवारों को 4-4 लाख रुपये का मुआवजा देने का ऐलान किया है। सीएम ऑफिस की ओर से किए गए ट्वीट में यह जानकारी दी गई है। ट्वीट के मुताबिक, सीएम ने प्रदेश के अलग-अलग जिलों में आकाशीय बिजली गिरने, नाव डूबने, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि आदि से किसानों और अन्य नागरिकों को हुए नुकसान पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने हादसों में मृत व्यक्तियों के पीड़ित परिवारों को 4-4 लाख की आर्थिक सहायता तत्काल उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मकान क्षति, पशुधन की क्षति के मामलों में भी पीड़ितों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

सिंधिया पर पथरावः शिवराज बोले- जानलेवा हमला, कानून-व्यवस्था खत्म

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को दावा किया कि राज्यसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) उम्मीदवार ज्योतिरादित्य सिंधिया के काफिले पर जानलेवा हमले की कोशिश की गई। चौहान ने कहा कि शहर के कमला पार्क इलाके में सिंधिया की कार रोकने की कोशिश की गई और उनके काफिले पर पथराव किया गया। हालांकि, पुलिस ने पथराव की घटना से इनकार किया है और कहा कि सिंधिया को काले झंडे दिखाए गए। सिंधिया एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद भोपाल एयरपोर्ट जा रहे थे।

बीजेपी के स्थानीय नेता राजेंद्र गुप्ता ने बताया कि सिंधिया को काले झंडे दिखाए जाने और उनके काफिले पर पत्थर फेंके जाने की घटना के सिलसिले में मामला दर्ज कराने के लिए वह श्यामला थाना पहुंचे। उन्होंने बताया कि रात 11:30 बजे पार्टी जिला अध्यक्ष विकास विरानी, पूर्व महापौर आलोक शर्मा, बीजेपी कार्यकर्ता और जिले के पार्टी पदाधिकारी थाने पहुंचे।

पूर्व मुख्यमंत्री -शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मैं इस हमले की निंदा करता हूं और पुलिस प्रशासन से अपील करता हूं कि जो भी दोषी हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

दर्ज किया गया मामला

उधर, श्यामला हिल्स पुलिस थाने के सब इंस्पेक्टर बीपी सिंह ने बताया कि सिंधिया को शुक्रवार शाम 7 बजे के आसपास काले झंडे दिखाए जाने के मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ शासन की तरफ से मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा, ह्यउन पर (सिंधिया पर) पथराव नहीं किया गया है ह्न सिंह ने बताया कि बीजेपी कार्यकर्ता इस मामले में शिकायत दर्ज कराने पहुंचे और पथराव होने का भी आरोप लगा रहे हैं, लेकिन पथराव नहीं हुआ है।

'बौखलाहट में करा रही हमले'

शिवराज सिंह चौहान ने कहा, ह्यआम आदमी की बात छोड़िए, जब पूर्व केंद्रीय मंत्री, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेता, बीजेपी से राज्यसभा के उम्मीदवार ज्योतिरादित्य सिंधिया पर जानलेवा हमले का प्रयास किया जा सकता है तो फिर आप कल्पना कर सकते हैं कि प्रदेश की स्थिति कितनी भयावह है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मैं स्तब्ध हूं। प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से समाप्त हो चुकी है। अराजकता का माहौल है। चौहान ने कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस नीत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बहुमत खो चुकी सरकार बौखलाहट में हमले करवा रही है।

कई रंग-बिरंगे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों को संजोए हुए 'पैठण' है बहुत ही खूबसूरत और खास

औरंगाबाद घुमक्कड़ों का खास पड़ाव है। विश्र्व विरासत अजंता-एलोरा यहीं हैं तो कई रंग-बिरंगे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक शहर बड़ी तादाद में बसते हैं यहां। इन्हीं में से एक है पैठण।

चौड़े पाट की गोदावरी नदी के तट पर बसा है पैठण। गोदावरी नदी को ससम्मान 'दक्षिण की गंगा' भी कहा जाता है। आप पैठण को गोदावरी का जलमग्न नेत्र भी कह सकते हैं, पवित्र पैठण की वह आंख, जिसमें बहती गोदावरी की जलधारा जैसे नदी का लहराता आंचल हो। इस प्राचीन नदी से मिलता-जुलता पैठण का इतिहास भी पुरातन है। महाराष्ट्र पैठण के बिना अधूरा है। औरंगाबाद जिले के दिल में बसा पैठण जिला मुख्यालय से तकरीबन 56 किमी. दूर है। यह छोटा-सा शहर कभी सातवाहन राजवंश की राजधानी रहा है।

संतों की भूमि

पैठण को 'संतों की भूमि' भी कहा जाता है। यह स्थान वैष्णववाद के निम्बार्क सम्प्रदाय परंपरा के संस्थापक श्री निम्बार्क का जन्मस्थान भी है। इस शहर को 'दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र' के लिए भी जाना जाता है। 20वें जैन तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ की काले रंग की सुंदर मूर्ति जैन मंदिर में स्थापित है, जो अर्द्धपद्मासन मुद्रा में साढ़े तीन फीट ऊंची मूलनायक प्रतिमा है। यहां हर अमावस्या को यात्रा एवं महामस्तक अभिषेक होता है। यह प्रतिमा राजा खरदूषण द्वारा निर्मित कराई गई है। अन्य मंदिरों में प्रतिमाएं पाषाण या धातुओं की होती है, पर यहां आपको बालू-रेती से बनी प्रतिमा देखने को मिलती है। यह शहर संत एकनाथ महाराज का भी निवास स्थान रहा, जिनकी समाधि यहां है। एकनाथ प्रसिद्ध मराठी संत थे, जिनका जन्म संत भानुदास के कुल में हुआ था। संत एकनाथ प्रवृत्ति और निवृत्ति का अनूठा समन्वय थे।

सबने पुकारा अपनी नजर से

ग्रीक लेखक एरियन ने पैठान को 'प्लीथान' कहा और भारत की यात्रा करने वाले मिस्त्र के रोमन भूगोलविद टॉलमी ने इसका नाम 'बैथन' लिखा है और इसे 'सित्तेपोलोमेयोस' (सातवाहन नरेश श्री पुलोमावी द्वितीय 138-170 ई.) की राजधानी बताया है। 'पेरिप्लस ऑफ दि एरिथ्रियन सी' के अज्ञात नाम लेखक ने इस नगर का नाम 'पोथान' लिखा है।

गौरवपूर्ण रहा है इतिहास

पुरातन पैठण की महिमा आपको पाणिनी की 'अष्टाध्यायी' में भी मिलेगी। यह स्थान योद्धाओं,संतों और सूफियों का संगम रहा है। सातवाहन वंश की राजधानी रहे पैठण पर प्रथम सातवाहन राजा ने राज्य किया और फिर साम्राज्य की सीमा आधे हिंदुस्तान तक जा पहुंची थी। फिर यह चालुक्य वंश के हाथ में भी गया। यादव वंश ने भी यहां राज्य किया। गोदावरी वैली सभ्यता के अतिरिक्त हिंदू, बौद्ध एवं जैन धर्म के लोग यहां आकर बसे। मुगल भी आए। 17वीं शताब्दी में मराठाओं ने पैठण के धार्मिक और आर्थिक उत्थान के बारे में सोचा। प्रतिष्ठान में स्थापित होने वाली आंध्र शाखा के नरेशों ने अपने नाम के आगे 'आंध्रभृत्य' विशेषण जोड़ा था। पुरातत्व संबंधी खोदाई में आंध्र नरेशों के सिक्के मिले हैं, जिन पर स्वास्तिक चिह्न अंकित हैं। मिट्टी की मूर्तियां, माला की गुरियां, हाथी दांत और शंख की बनी वस्तुएं और मकानों के खंडहर यहां मिले हैं।

धार्मिक पर्यटन के लिए चर्चित

देशभर से लोग तीर्थाटन के लिए पैठण आते हैं। पैठण का आदर तीर्थ स्थल के रूप में अधिक होता है। विदेशी पर्यटक भी यहां खूब आते हैं। धर्म-संस्कृति-सभ्यता-इतिहास के लिए पैठण उनके सामने खुली किताब की तरह है, इसीलिए वे अपने भ्रमण को स्टडी टूर की संज्ञा देते हैं। यहां गोकुल अष्टमी चाव से मनाई जाती है। दही-हांडी का इंतजार भी पूरे पैठण को साल भर होता है। महादेव के सिद्धेश्र्वर मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व पर खास तौर से यात्रा होती है।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
नए अनुबंध की दिशा में सफलता मिलेगी। मांगलिक या सांस्कृतिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

सिंह
पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा।

धनु
मन अज्ञात भय से ग्रसित रहेगा। छोटी-छोटी बातों में उत्तेजित होंगे। वाणी पर संयम रखें। संतान का सहयोग रहेगा।

वृष
आर्थिक योजना सार्थक होगी। अधीनस्थ कर्मचारी या बहन के कारण तनाव मिल सकता है। जबकि उच्च अधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कन्या
व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शाही खर्च से बचना चाहिए। धन हानि की आशंका है। स्वास्थ्य और प्रतिष्ठा में जोखिम न उठाएं।

मकर
स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आर्थिक मामलों में सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी।

मिथुन
व्यावसायिक योजना सार्थक होगी। मैत्री संबंध मधुर होंगे। दांपत्य जीवन सुखमय होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

तुला
किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। रिश्तों में मधुरता आएगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

कुंभ
जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किसी कार्य के संपन्न होने से आपके प्रभाव में वृद्धि होगी।

कर्क
आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। रिश्तों में मधुरता आएगी लेकिन शिक्षा या संतान तनाव का कारण रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक
उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। शाही खर्च से बचें। कोई ऐसी बात हो सकती है जो आपके हित में न हो। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी।

मीन
शासन सत्ता से सहयोग लेने में सफल होंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

कोरोना वायरसः नेपाल ने एवरेस्ट पर पर्वतारोहण अभियान बंद किए

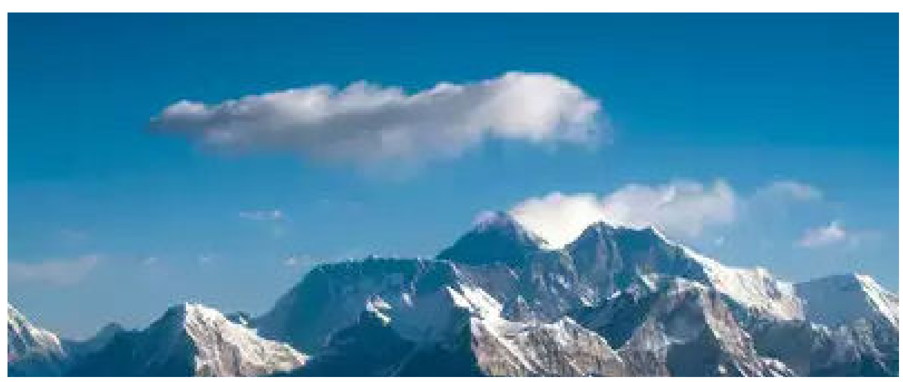

नेपाल ने कोरोना वायरस महामारी के कारण एवरेस्ट पर पर्वतारोहण के लिए मंजूरी शुक्रवार को स्थगित कर दिया। चीन ने हाल ही में दुनिया के सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ाई को बंद कर दिया गया है। चीन द्वारा एवरेस्ट पर चढ़ाई को बंद किए जाने के एक दिन बाद नेपाल ने यह फैसला लिया गया है। नेपाल के संस्कृति पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्री योगेश भट्टराई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी है।

संस्कृति पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्री ने बताया कि नेपाल ने देश में सभी पर्वतारोहण अभियानों को स्थगित कर दिया है और पर्यटक वीजा जारी करने की प्रक्रिया रोक दी है। उन्होंने कहा, सरकार ने सभी पर्वतारोहण अभियानों को स्थगित करने और कुछ समय के लिए मंजूरी रद्द करने का फैसला किया है।

भट्टराई ने कहा, ह्यआने वाले महीनों में वैश्विक स्थिति का विश्लेषण करने के बाद फैसले की समीक्षा की जा सकती है।ह्न बता दें कि पिछले साल गर्मियों में रेकॉर्ड 885 लोगों ने एवरेस्ट पर चढ़ाई की थी। उस समय पर पर्वत पर 11 लोगों की मौत हुई थी जिनमें से कम से कम चार मौतें पर्वत पर अधिक भीड़ होने से हुई थी। नेपाल में कोरोना वायरस का अभी तक केवल एक मामला सामने आया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

लेजर से बालों को हटवाने के बारे में जानें कुछ जरूरी बातें

वर्तमान में कॉस्मेटिक उपचार के क्षेत्र में लेजर द्वारा अनचाहे बालों को हटाना सबसे अधिक सामान्य ट्रीटमेंट माना जाता है और यह अत्यधिक चलन में भी है। लेकिन इससे जुड़े कई सारे मिथक और संदेह इस प्रकार के ट्रीटमेंट को लेने से लोगों को हतोत्साहित करते हैं।

लेजर से बालों को हटाने को लेकर सबसे बड़ी अफवाह यह है कि इस उपचार के दौरान दर्द होता है। आइए जानते हैं इसी प्रकार के मिथक और उससे जुड़ी जानकारियों के बारे में विशेषज्ञों द्वारा :

इन बातों का रखें ध्यान

- यह सुनिश्चित करें कि लेजर से बालों को हटाने के पहले त्वचा का विश्लेषण किया गया हो।
- चिकित्सक से अपने पहले अपॉइंटमेंट पर अपनी त्वचा पर पैच परीक्षण के बारे में पूछें।
- उपचार कराने से पहले, किसी इंडोक्राइनोलॉजिस्ट के द्वारा अपनी एंडोक्राइनल समस्याओं का मूल्यांकन कराएं।
- अपने चिकित्सक की योग्यता और अनुभव के बारे में पूरी जानकारी हासिल करें।
- त्वचा के रंग और प्रकार के लिए उपयुक्त लेजर के बारे में जानकारी लें।
- पिछली बार इस्तेमाल की गई दवाइयों या इलाज के बारे में किसी भी बदलाव को लेकर अपने चिकित्सक को बताएं।
- आपके अपॉइंटमेंट से एक दिन पहले, इलाज किए जाने वाले हिस्से को शेव अवश्य करें।

- यदि आपकी त्वचा संवेदनशील है, तो प्रक्रिया से पहले और बाद में उस हिस्से पर लगातार बर्फ रगड़ें इससे वह हिस्सा सुन्न हो जाएगा।
- आपके शरीर के चाहे किसी भी हिस्से में यह उपचार हो रहा हो, आपको हमेशा आंखों की सुरक्षा के लिए चश्मा पहनना चाहिए।

ये करें ट्रीटमेंट करवाने से पहले

- प्रक्रिया के पहले या बाद में धूप में जाने या कृत्रिम टैन पाने से बचें
- ट्रीटमेंट के लिए ऐसे क्लिनिक में न जाएं जहां कीमत से

समझौता किया जाता हो

- उपचार से पहले छह महीने तक प्लकिंग, वैक्सिंग और इलेक्ट्रोलिसिस से बचें ताकि लेजर बालों की जड़ को लक्षित कर सकें
- अपने पहले उपचार से कम से कम एक हफ्ते पहले और लेजर कोर्स की अवधि के दौरान अपनी त्वचा ब्लीच न करें
- यदि आपके चेहरे के लिए उपचार किया जा रहा है, तो मुंहासे आदि के लिए बताई गई दवा न तो खाएं और न ही लगाएं
- प्यूबर्टी और गर्भावस्था की शुरूआत में बालों को हटाने के उपचार कराने से बचें। सबसे अच्छा है कि आप गर्भावस्था तक इंतजार करें, जब तक आपका हॉर्मोन स्तर सामान्य नहीं हो जाता है
- तंग फिटिंग वाले कपड़े पहनने से बचें क्योंकि वे खुजली या जलन पैदा कर सकते हैं
- उपचार के बाद कम से कम 48 घंटे तक तैराकी, सॉना, जकुजी, स्टीम रूम, हॉट शावर या स्नान से बचें
- अपने पहले सत्र के बाद मुलायम, चिकनी त्वचा की उम्मीद न करें। किसी एक हिस्से में छह से आठ उपचार सत्रों के बाद बेहतर परिणाम मिलते हैं।

ओरल हेल्थ से जुड़ा सम्पूर्ण स्वास्थ्य

दांतों या मुंह की सफाई और हाइजीन को लेकर काफी कुछ कहा जाता रहा है। खासकर आजकल, जब हमारे खानपान के तौर-तरीकों और खाद्य पदार्थों के स्वरूप में बहुत परिवर्तन आ गया है। ऐसे में ओरल हेल्थ को लेकर सजग रहना आवश्यक है। खासकर इसलिए भी क्योंकि ओरल हेल्थ से पूरे शरीर का स्वास्थ्य जुड़ा हुआ है।

खतरनाक शुगर

मीठा खाना अगर दांतों में सड़न या कैविटीज का कारण बन सकता है तो मीठे के रोग यानी डायबिटीज की वजह से भी दांतों में तकलीफ पैदा हो सकती है। यह तकलीफ आगे जाकर अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकती है। मसूड़ों में होने वाली समस्या या बीमारियां अक्सर डायबिटीज के फैलाव की गति को और बढ़ा देती हैं।

बैक्टीरिया और हृदय

शोध बताते हैं कि ऐसे लोग जिनके मसूढ़ों या दांतों में समस्या बनी रहती है उन लोगों में सामान्य लोगों की तुलना में हृदय रोग होने की आशंका भी बढ़ जाती है। यह खतरा हृदयघात में भी बदल सकता है।

स्ट्रेस का असर

केवल शारीरिक तौर पर ही नहीं बल्कि मानसिक स्तर पर भी मुंह या दांतों की समस्या स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकती हैं। तनाव या स्ट्रेस के कारण दांतों का जोर से किटकिटाना ऐसी ही एक तकलीफ है जो दांतों को गंभीर क्षति भी पहुंचा सकती है। इसी तरह डिप्रेशन से पीड़ित लोगों में भी दांतों या मुंह की तकलीफों से घिरने की आशंका हो सकती है।

एनीमिया का खतरा

कमजोरी यानी एनीमिया से पीड़ित लोगों को अक्सर मुंह में दर्द और कमजोरी की शिकायत होती है। इन लोगों की जुबान सूज जाती है और बहुत मुलायम हो जाती है। इस स्थिति को ग्लॉसिटिस कहते हैं।

किडनी संबंधी परेशानी

किडनी से जुड़े गंभीर संक्रमण या बीमारियां भी दांतों पर बुरा असर डाल सकते हैं। ऐसी स्थिति में कई बार वयस्कों में दांत टूटने तक का खतरा हो सकता है।

महिलाएं और तकलीफ

मुंह या दांतों से जुड़ी समस्याओं से बड़े पैमाने पर गर्भवती महिलाएं भी जूझती हैं। ऐसी महिलाएं जिन्हें गर्भावस्था के दौरान मसूड़ों या दांतों संबंधी संक्रमण होता है उनके बच्चों के छोटे रहने या प्रीमैच्योर होने की आशंका भी बढ़ जाती है। यही नहीं दांतों की गंभीर समस्या से ग्रसित महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।

नन्हें पैरों की पीड़ा

सही समय पर दीजिए ध्यान

बच्चों के मामले में तकलीफ का सामान्य स्तर पर होना भी ज्यादा परेशानी पैदा कर सकता है। ऐसे मामलों में पीड़ा से भी अधिक समस्या बच्चे को प्राकृतिक तौर पनपने में पैदा होने वाली परेशानी को लेकर होती है। बच्चों में पैरों संबंधी तकलीफों के संदर्भ में भी यही बात सामने आती है इसलिए सजगता आवश्यक है।

जब चलना भी मुश्किल होने लगे

छोटे बच्चों के विकास का महत्वपूर्ण चरण होता है उनका चलना। चलने की शुरूआत का यह समय हर बच्चे में अलग हो सकता है। कोई बच्चा 11 माह में ही चलना शुरू कर सकता है तो किसी को एक साल से भी ऊपर का समय इस प्रक्रिया में लग सकता है। यह एक सामान्य बात है लेकिन इस समय के बाद भी चलने में मुश्किल खड़ी हो तो डॉक्टर से परामर्श लेना आवश्यक है। ठीक इसी तरह यदि बच्चा चलने या खड़े होने में टखनों और तलवों में दर्द या असहजता की शिकायत करता है तो इसे भी गंभीरता से लेने की जरूरत है। खासतौर पर अगर दर्द या तकलीफ 4-5 दिनों में साधारण उपायों से ठीक नहीं होती तो।

प्रमुख समस्याएं

बच्चों में पैरों या तलवों के दर्द और असहजता से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं और इनमें से कुछ गंभीर भी हो सकती हैं। लेकिन त्वरित और सही इलाज के साथ कई बीमारियों को ठीक भी किया जा सकता है।

बच्चों को परेशान करने वाली कुछ बीमारियां हैं-पीडियाट्रिक फ्लैट फुटः इस समस्या से ग्रसित ज्यादातर बच्चों में इसके लक्षण स्पष्ट नहीं होते। फिर भी कुछ बच्चे दौड़ने-भागने, चलने या फिजिकल एक्टिविटी के दौरान असहजता अथवा पैरों, घुटनों में दर्द महसूस कर सकते हैं। ऐसे में त्वरित इलाज और मार्गदर्शन से काफी राहत मिल सकती है।

इनग्रोन टोनेल्सः पैर के नाखून एक तरह का सुरक्षा कवच भी होते हैं और ये महत्वपूर्ण भी होते हैं। ऐसे में पैरों के नाखूनों का अंदर की ओर मुड़ा हुआ होना तकलीफदेह हो सकता है। यह परेशानी कई बार अनुवांशिक भी हो सकती है या फिर नाखूनों को गलत तरीके से काटने, बहुत टाइट जूते-मोजे पहनाने से भी यह दिक्कत पनप सकती है। ऐसी स्थिति में ध्यान न देने पर गंभीर इन्फेक्शन हो सकता है। इसलिए इस तरह के नाखूनों के लिए चिकित्सक की मदद लें।

नजरअंदाज न करें तकलीफ

इन सबके अलावा अन्य कुछ संक्रमणों, अंदरूनी कमजोरी या अनुवांशिक कारणों से बच्चे में पैरों से जुड़ी समस्या जन्म ले सकती है। यदि बच्चा लगातार पैरों में दर्द, जलन या असहजता की शिकायत करता है और उसकी शिकायत सामान्य उपायों से दूर नहीं होती तो डॉक्टर से परामर्श लेना आवश्यक है।

कैल्सिनाल एपोफाइसाइटिस : 8-15 साल तक के बच्चों को परेशान करने वाली यह समस्या एड़ियों में सूजन और दर्द पैदा कर डालती है। चूंकि इस उम्र तक एड़ी की हड्डी पूरी तरह विकसित नहीं हुई होती। ऐसे में हील पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव परेशानी खड़ी कर सकता है।

प्लांटर वार्ट : पैरों में किसी भी जगह वार्ट या दाने उभर सकते हैं लेकिन पैरों के निचले हिस्से में इनका उभरना विशेषतौर पर कष्टदाई हो सकता है। ये प्लांटर वाट्र्स कहलाते हैं। ये एक तरह का वायरल इन्फेक्शन होता है जो शरीर में और भी जगहों पर पनप सकता है। ध्यान न देने पर यह त्वचा में काफी अंदर तक वृद्धि कर सकता है, जिसकी वजह से बच्चे को खड़े रहने, चलने-फिरने में तकलीफ हो सकती है।

कोरोना वायरसः आईपीएल 2020 पर भी खतरा फिलहाल 15 अप्रैल तक के लिए टला

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के चलते आईपीएल का मौजूदा शेड्यूल अब करीब दो सप्ताह आगे (18 दिन) खिसक गया है। बीसीसीआई की ओर से बताया गया कि नोवेल कोरोना वायरस कोविड- 19 से सावधानी बरतते हुए हमने इसे टालने का फैसला किया है। अब यह टूर्नामेंट 29 मार्च की बजाए 15 अप्रैल के करीब से शुरू हो सकता है। इससे पहले यह कहा जा रहा था कि आईपीएल अपने पहले से तय शेड्यूल पर खाली स्टेडियम (बिना दर्शकों) में खेला जाएगा। लेकिन फ्रेंचाइयों ने बिना दर्शकों के मैच से इनकार कर दिया। इसके बाद बीसीसीआई अधिकारियों ने इस टूर्नामेंट को करीब दो सप्ताह के लिए आगे टाल देना ही बेहतर समझा।

बोर्ड ने फ्रेंचाइजियों को यह जानकारी दे दी है और साथ ही कहा है कि वह टीम मालिकों से शनिवार को होने वाली आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की मीटिंग में इस पर विस्तृत चर्चा करेंगे।

अब आईपीएल का नया शेड्यूल जारी होगा तो उसमें डबल हेडर (एक दिन में दो मैच) मुकाबलों की संख्या अधिक होगी। इससे पहले इस बार आईपीएल में डबल हेडर मुकाबलों की संख्या कम की गई थी। लेकिन इस चेंज के बाद शुरूआती दो सप्ताह में आईपीएल के जो मैच होने थे उनकी भरपाई के लिए अब 15 अप्रैल के बाद सप्ताह में दो या तीन दिन डबल हेडर मैच करके इनकी भरपाई की जाएगी।

इससे पहले आज दिल्ली सरकार ने भी आज साफ किया था कि कोरोना वायरस के कारण दिल्ली में आईपीएल के मैच दर्शकों के साथ नहीं होंगे। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने साफ किया है भीड़ वाले सभी खेल आयोजनों समेत दिल्ली भीड़ जुटाने वाले दूसरे आयोजन भी रद्द होंगे।

कोरोना के कारण यदि आईपीएल हुआ रद्द तो करीब 10 हजार करोड़ का होगा नुकसान

नई दिल्ली। महामारी घोषित हो चुके कोरोना वायरस के प्रकोप को देखते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को दो बड़े कदम उठाए। पहला उसने भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज के बाकी बचे दो मैचों को रद्द कर दिया और दूसरा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें एडिशन को 15 अप्रैल तक टालने का फैसला लिया।

आईपीएल की टीमों के मालिक भी उम्मीद कर रहे हैं कि अगर टूर्नामेंट 15 अप्रैल से शुरू होता है तो जिन राज्य सरकारों ने मैचों के लिए अनुमति देने से इनकार किया है, वे स्थिति सुधरने पर इनके लिए हरी झंडी दे दें। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, राज्य सरकार जरूरी हिस्सा हैं क्योंकि वे सुरक्षा (पुलिस) मुहैया कराती हैं। अगर दिल्ली, बेंगलुरु और महाराष्ट्र मैचों की मेजबानी के खिलाफ फैसला करती हैं

हरिका ने फाइनल दौर में पूर्व विश्व चैंपियन मारिया मुजिचुक से ड्रा खेला, सातवें स्थान पर रहीं

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर द्रोणवल्ली हरिका ने फिडे महिला ग्रां प्री शतरंज टूर्नामेंट के आखिरी दौर में यूक्रेन की मारिया मुजिचुक से ड्रा खेला जिससे वह सातवें स्थान पर रहीं। विश्व में नौवें नंबर की हरिका ने पूर्व विश्व चैंपियन मारिया मुजिचुक से 25 चाल में ड्रा खेला जिससे वह 5-5 अंक लेकर सातवें स्थान पर रहीं। इससे पहले दसवें दौर में उन्होंने यूक्रेन की ही अन्ना मुजिचुक के साथ बाजी ड्रा खेली थी। मारिया मुजिचुक और बुल्गारिया की एंतोनेता स्टीफनोवा के भी इतने ही अंक रहे। जार्जिया की नना दजागनिद्जे ने रूस की अलेक्सांद्रा गोरयाचकिना को हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

जापान ने ठुकराया ट्रंप का ओलंपिक स्थगित करने का सुझाव

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का टोक्यो ओलंपिक को एक साल के लिए स्थगित करने का सुझाव जापान की ओलंपिक मंत्री ने ठुकरा दिया। ओलंपिक कांस्य पदकधारी सेको हाशिमोटो ने शुक्रवार को टोक्यो में कहा, आईओसी और आयोजन समिति इन्हें रद्द करने या स्थगित करने पर विचार नहीं कर रही है - बिल्कुल भी नहीं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति और टोक्यो आयोजक तीन महीने पहले चीन में फैले कोरोना वायरस के बाद से अपने इस बयान पर अडिग है कि ओलंपिक खेलों की शुरूआत 24 जुलाई से होगी।

इंडिया- स. अफ्रिका : कोरोना वायरस के चलते सीरीज के बाकी दो मैच रद्दः बीसीसीआई

नई दिल्ली। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच सीरीज के बाकी दो वनडे इंटरनैशनल रद्द कर दिए गए हैं। ये मैच 15 और 18 मार्च को लखनऊ और कोलकाता में खेले जाने थे। समाचार एजेंसी पीटीआई ने बीसीसीआई के हवाले से यह खबर दी है।

इंडिया'स लास्ट टू ओडिस अगेन्स्ट साउत आफ्रिका आंड इन लनोव आंड कोलकाता हॅव बिन कॉल्ड ऑफ बिकॉज ऑफ कोविद-19 पॅंडेमिक. इंग्लेंड'स तौर ऑफ श्री लंका वाज ऑल्सो कॉल्ड ऑफ फॉर थे सेम रीजन.

बीसीसीआई ने अपनी विज्ञप्ति में कहा है कि साउथ अफ्रीका बाद में तीन वनडे इंटरनैशनल मैचों की सीरीज के लिए भारत का दौरा करेगी।

बीसीसीआई-क्रिकेट साउथ अफ्रीका मिलकर बाद में नई तारीखों पर फैसला करेंगे। इन दोनों टीमों के बीच धर्मशाला में पहला वनडे बारिश की भेंट चढ़ गया था। दोनों टीम शुक्रवार को लखनऊ पहुंच गयी थी। अधिकारी ने कहा, दक्षिण अफ्रीकी टीम दिल्ली आएगी और जल्द से जल्द उपलब्ध उड़ान से स्वदेश रवाना हो जाएगी। सरकारी दिशानिर्देशों के कारण पहले इन मैचों को खाली स्टेडियमों में करवाने का फैसला किया गया था। सरकार ने महामारी के चलते खेल प्रतियोगिताएं दर्शकों के लिये बंद रखने का निर्णय किया था। आईपीएल भी 29 मार्च से शुरू नहीं होगा। उसे 15 अप्रैल तक निलंबित कर दिया गया है। भारत में अब तक कोरोना वायरस के 80 मामले पाए गए हैं जबकि विश्वस्तर पर ऐसे मामलों की संख्या एक लाख से अधिक हो गई है। विश्व स्तर पर इस घातक वायरस के कारण 5000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। यह दूसरी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सीरीज है जो रद्द की गई है। इससे पहले इंग्लैंड की टीम ने अपना श्रीलंका दौरा इस संक्रमण के कारण रद्द किया था।

कोरोना इफेक्टः ऑस्ट्रेलिया में वनडे सीरीज रद्द, न्यूजीलैंड की टीम ने दौरा छोड़ा

मेलबर्न। कोरोना वायरस के खतरे के बीच ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच चैपल-हैडली वनडे सीरीज के बाकी दो मैच शनिवार को रद्द कर दिए गए, न्यूजीलैंड की टीम कोरोना वायरस महामारी के कारण यात्रा प्रतिबंधों से बचने के लिए जल्द ही अपने घर लौट जाएगी।

'क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू' की रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया में वनडे सीरीज के बाद न्यूजीलैंड में होने वाली तीन मैचों की टी 20 इंटरनेशनल सीरीज भी फिलहाल रद्द है.

वेबसाइट ने बताया, 'शनिवार दोपहर न्यूजीलैंड सरकार ने सीमा प्रतिबंधों को कड़ा कर दिया और कहा कि ऑस्ट्रेलिया से देश में प्रवेश करने वालों को 14 दिनों तक आइसोलेशन में रहना होगा. यह नया प्रतिबंध रविवार मध्यरात्रि से लागू होगा. ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का पहला मैच शुक्रवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में बिना दर्शकों के खाली स्टेडियम में खेला गया था. इस मैच को ऑस्ट्रेलिया ने 71 रनों से जीता. न्यूजीलैंड क्रिकेट ने खुलासा किया है कि तेज गेंदबाज लोकी फर्ग्यूसन को उनकी टीम के साथियों से अलग कर दिया गया था, गले में खराश की शिकायत के बाद फर्ग्यूसन की जांच के लिए सैंपल भेजा गया है. अभी जांच रिपोर्ट नहीं आई है. उधर, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भी कोरोनो वायरस के चलते अपना श्रीलंका दौरा रद्द करने का फैसला किया है.

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

किसके साथ हॉलीडे पर जाना चाहती हैं आलिया भट्ट? दिया हिंट

लगता है बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट हॉलीडे पर जाना चाहती हैं। ये हम नहीं खुद उनका इंस्टाग्राम अकाउंट कह रहा है। आलिया ने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर कर हॉलीडे पर जाने की इच्छा जताई है। पर किसके साथ हॉलीडे पर जाना चाहती हैं इस बात का खुलासा नहीं किया है। आलिया ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की है। इस फोटो में आलिया फ्लोरल ड्रेस में नजर आ रही हैं। उन्होंने इसी के साथ लिखा है- 'एक हॉलीडे प्लीज? एक्स्ट्रा धूप और एक्स्ट्रा रोशनी के साथ...थैंक्स'। उनकी फोटो से भी यह साफ है कि उन्हें हॉलीडे के अलावा धूप की भी क्रेविंग हो रही है। फोटो पर दीपिका पादुकोण ने कमेंट करते हुए लिखा- क्यूटी। वर्क फ्रंट पर आलिया इस साल ब्रह्मास्त्र में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में वे पहली बार रणबीर कपूर के साथ काम कर रही हैं। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में आलिया और रणबीर के अलावा अमिताभ बच्चन, मौनी रॉय, डिंपल कपाड़िया और नागार्जुन भी हैं। यह फिल्म 4 दिसंबर 2020 को रिलीज होगी। इसके अलावा आलिया संजय लीला भंसाली की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में भी हैं।

एथलीटों के परिवारों को उचित पहचान नहीं मिलती: दीपिका पादुकोण

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने कहा कि उन्होंने कबीर खान की फिल्म '83' के लिए इसलिए हां की क्योंकि उनका मानना है कि एक खिलाड़ी के परिवार या जीवनसाथी के योगदान को पहचान नहीं मिल पाती। इस फिल्म में दीपिका दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव की पत्नी रोमी देव का किरदार निभाएंगी। कपिल देव का किरदार उनके पति रणवीर सिंह निभाएंगे। 'पद्मावत' के बाद दोनों की साथ में यह चौथी फिल्म होगी। दीपिका ने यहां पत्रकारों से कहा, कबीर ने फिल्म के लिए मेरे बारे में सोचा। यह बहुत छोटी-सी भूमिका है लेकिन बहुत खास है क्योंकि मुझे लगता है कि जीवनसाथी या परिवार की भूमिका को हमेशा उचित श्रेय नहीं दिया जाता। उन्होंने कहा, जब आप एथलीटों को देखते हो और जब वे जीतते हैं तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करते हैं तो परिवार को बहुत कम पहचान मिलती है।

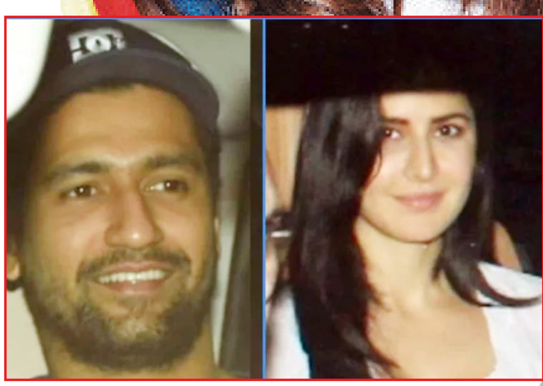

अफेयर की खबरों के बीच चोरी छुपे डिनर पर निकले कटरीना-विक्की

'उरी' की सफलता अभिनेता विक्की कौशल के करियर में काफी अहम साबित हुई। कम समय में ही उन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहचान बना ली। फिल्मों के अलावा विक्की कौशल अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। ऐसी खबरें हैं कि विक्की अभिनेत्री कटरीना कैफ को डेट कर रहे हैं। दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया है। अब एक बार फिर से दोनों को एक साथ स्पॉट किया गया। विक्की और कटरीना के अफेयर की खबरें भले ही आ रही हों लेकिन दोनों ही इस पर कुछ भी बोलने से बचते रहे हैं। बीती रात को विक्की और कटरीना डिनर पर जाते हुए देखे गए। हालांकि दोनों अलग-अलग कार में पहुंचे।